मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

■ वर्ष : 44 ■ अंक : 164 ■ बुधवार 17 सितंबर 2025 ■ पृष्ठ 4

3 रुपए

संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.L.B., M.A. Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

बठिंडा कोर्ट में पेश होंगी कंगना रनोट

तहसील कार्यालय पर प्रहार पक्ष का जबरदस्त आंदोलन

■ तहसीलदार के खिलाफ नारेबाजी

■ तहसीलदार ने सभी मांगें की मंजूर

अंबरनाथ. अंबरनाथ प्रहार जनशक्ति पक्ष ने मंगलवार को अंबरनाथ तहसील कार्यालय के समक्ष जनता की अनेक मांगों को लेकर धरना दिया. तहसीलदार अमित पुरी के खिलाफ नारेबाजी की गई. प्रहार के शहराध्यक्ष आलम खान, जिलाध्यक्ष स्वप्निल पाटिल की अगुवाई में जबरदस्त जनांदोलन किया गया. गत कई वर्षों से बंद पड़ी लिफ्ट के कारण दिव्यांगों, वृद्धों को हो रही परेशानी को देखते हुए लिफ्ट को चालू करने की मांग की गई. आदिवासियों के साथ सम्मान वार्ता करने के लिए तहसीलदार को आगाह किया गया. बाद में तहसीलदार अमित पुरी ने आंदोलनकारियों को अपने केबिन में बुलाकर उनकी सभी मांगों को पूरा करने का आश्वासन देते हुए कहा कि एक महिने के भीतर लिफ्ट को चालू कर दिया जाएगा.

पिछले दिनों आदिवासी महेश के साथ तहसीलदार ने दमबाजी की थी. जिसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था. उससे उन्होंने माफी मांगी. आलम खान ने उनसे कहा कि वह आगे से आदिवासियों के साथ सम्मान से वार्ता करें. मोहन बिल्डर के अवैध कामों की जांच करके उस पर कार्रवाई की जाएगी. कार्यालय को दलालों से मुक्त करने की एवं जनता के कामों को जल्द पूरा करने पर भी सहमति तहसीलदार ने जताई है. तहसीलदार कार्यालय के समक्ष लगभग दो घंटे तक जोरदार आंदोलन चला, जिसमें आलम खान, स्वप्निल पाटिल, शैलेश तिवारी, ख्वाजा यूनुस चौधरी, योगेश चलवादी आदि कार्यकर्ताओं ने भाग लिया. तहसीलदार ने ये भी आश्वासन दिया है कि जब तक लिफ्ट चालू नहीं हो जाती तब तक दिव्यांगों के कामों के लिए ग्राउंड फ्लोअर पर एक टेबल लगाया जाएगा.

मनपा चुनावों पर फिर लगा ग्रहण !

■ सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव कराने में देरी पर महाराष्ट्र राज्य निर्वाचन आयोग को लगाई कड़ी फटकार

■ 31 जनवरी, 2026 से पहले चुनाव पूरा कराने के आदेश

उल्हासनगर. सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को स्थानीय निकायों के चुनाव कराने में देरी पर महाराष्ट्र राज्य निर्वाचन आयोग को कड़ी फटकार लगाते हुए 31 जनवरी, 2026 तक इसे पूरा कराने का आदेश दिया है। शीर्ष अदालत ने साफ कर दिया है कि 2022 से रुके हुए राज्य के स्थानीय निकाय चुनावों कराने के लिए अब किसी तरह के समय सीमा नहीं बढ़ाई जाएगी। जस्टिस सूर्यकांत और जॉयमाल्या बागची की पीठ ने राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा कई सालों से लंबित स्थानीय निकाय चुनावों को समय पर पूरा कराने के आदेश का पालन करने में विफल रहने से नाराजगी जाहिर की।

पीठ ने आदेश दिया है कि 'जिला परिषदों, पंचायत समितियों और सभी नगर पालिकाओं सहित सभी स्थानीय निकायों के चुनाव 31 जनवरी, 2026 तक करा लिए जाएं। अब इसके लिए और समय नहीं दिया जाएगा। पीठ ने साफ कर दिया है कि यदि किसी अन्य सहायता की जरूरत हो, तो राज्य निर्वाचन आयोग 31 अक्टूबर, 2025 से पहले अर्जी दाखिल कर सकती है। उसके बाद किसी भी तरह की मांग पर विचार नहीं किया जाएगा।

इससे पहले, शीर्ष अदालत को बताया गया कि नगर पालिकाओं का परिसीमन कार्य प्रगति पर है। साथ ही राज्य निर्वाचन आयोग ने बोर्ड परीक्षाओं के कारण स्कूल परिसरों की अनुपलब्धता और ईवीएम की कमी सहित अन्य आधारों पर समय-सीमा बढ़ाने का अनुरोध किया है। इस पर जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि राज्य निर्वाचन आयोग निर्धारित समय-सीमा में न्यायालय के निर्देशों का पालन करने के लिए त्वरित कार्रवाई करने में विफल रहा। हालांकि, एकमुश्त रियायत के रूप में हम निम्नलिखित निर्देश जारी करना उचित समझते हैं। इसके साथ ही पीठ ने 31 अक्टूबर, 2025 तक परिसीमन पूरा करने कर आदेश देते हुए साफ कर दिया कि इसके बाद किसी भी कीमत पर समय-सीमा नहीं बढाई जाएगी।

सुप्रीम कोर्ट ने क्या दिया है आदेश...

- सुप्रीम कोर्ट ने साफ कर दिया कि परिसीमन प्रक्रिया चुनाव स्थगित करने का आधार नहीं बनेगा। पीठ ने आगामी बोर्ड परीक्षाओं के कारण स्कूल परिसर उपलब्ध न होने के आधार पर चुनाव स्थगित करने की मांग को भी ठुकरा दिया और कहा कि परीक्षाएं अगले साल मार्च में होंगी।
- साथ ही यह निर्देश दिया कि महाराष्ट्र के मुख्य सचिव, आवश्यकतानुसार चुनाव अधिकारियों और अन्य सहायक कर्मचारियों के कर्तव्यों का पालन करने के लिए आवश्यक कर्मचारियों को तुरंत तैनात करें।
- पीठ ने राज्य निर्वाचन आयोग से चुनाव के लिए आवश्यक कर्मचारियों का विवरण दो सप्ताह के भीतर मुख्य सचिव को भेजने का निर्देश दिया है।
- शीर्ष अदालत ने कहा है कि यदि आवश्यक हो तो मुख्य सचिव अन्य विभागों के सचिवों के परामर्श से निर्वाचन आयोग द्वारा अनुरोध किए जाने के चार सप्ताह के भीतर आवश्यक कर्मचारी उपलब्ध कराएंगे।
- पीठ ने कहा है कि जहां तक ईवीएम की कमी का सवाल है तो हम राज्य निर्वाचन आयोग को आवश्यक व्यवस्था करने और 30 नवंबर, 2025 तक ईवीएम की उपलब्धता के संबंध में हलफनामा दाखिल करने का आदेश दिया है।
- शीर्ष अदालत ने इसी साल मई में एक अंतरिम आदेश जारी कर चार माह के भीतर सितंबर तक चुनाव संपन्न कराने का निर्देश दिया था।
- पीठ को राज्य निर्वाचन आयोग के वकील ने कहा कि फिलहाल 65,000 ईवीएम उपलब्ध हैं, और 50,000 ईवीएम की अभी भी आवश्यकता है और उनका ऑर्डर दे दिया गया है।

भाजपा के मोहन कोनकर ने शहाड क्षेत्र के बाढ़ प्रभावितों के लिए मदद माँगी

कल्याण. शहाड क्षेत्र के नागरिकों को पिछले महीने हुई भारी बारिश के कारण काफी नुकसान हुआ था, लेकिन ये नागरिक अभी भी सरकारी मदद से वंचित हैं। भारतीय जनता पार्टी के शहाड वार्ड अध्यक्ष मोहन कोनकर ने कल्याण तहसीलदार को पत्र लिखकर इन बाढ़ प्रभावित नागरिकों के लिए मदद की माँग की है। अगस्त में हुई बारिश के कारण आई बाढ़ में शाहद वार्ड क्रमांक 15 के बंदरपाड़ा, भालचंद्र नगर, खिमली चाल, अंबिका नगर, अवनी कॉम्प्लेक्स और शहाड रोड के पास की दुकानों में पानी घुस गया था। इससे नागरिकों को काफी नुकसान हुआ है। मोहन कोनकर ने कल्याण तहसीलदार को पत्र लिखकर इन सभी लोगों के लिए मुआवजे की माँग की है।

डांस बार फिर पुलिस की रडार पर

आंचल बार पर छापा, 11 वेटरों समेत 23 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज

उल्हासनगर: सोमवार रात 10:30 बजे सेंट्रल पुलिस ने पवई चौक के कैंप क्रमांक 3 स्थित आंचल लेडीज़ बार में कम कपड़ों में अश्लील हरकतें कर रहे 11 वेटरों समेत 23 लोगों के खिलाफ कार्रवाई की। दो दिन पहले हंड्रेड डेज़ और एप्पल बार पर छापा मारा। आधी रात को की गई कार्रवाई में बारबाला अश्लील नृत्य करती पाई गईं और 11 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

उल्हासनगर स्थित लेडीज़ सर्विस बार में बेलगाम अश्लीलता चल रही थी। इसी बीच, विट्ठलवाड़ी पुलिस ने कम कपड़ों में अश्लील हरकतें कर रहे हंड्रेड लेडीज़ बार व एप्पल बार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक महिला वेटर समेत 11 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया।

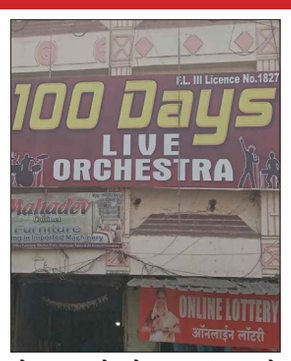

सोमवार को सेंट्रल पुलिस को सूचना मिली कि पवई चौक स्थित आंचल लेडीज़ सर्विस बार में एक महिला वेटर कम कपड़ों में अश्लील हरकतें कर रही है। रात 10:30 बजे पुलिस ने आंचल लेडीज सर्विस बार पर कार्रवाई करते हुए 11 महिला वेटरों समेत 23 लोगों को गिरफ्तार कर केस दर्ज किया.

पुलिस कार्रवाई में सेंट्रल पुलिस ने बार ड्राइवर जया शेट्टी, बार मैनेजर रविकांत तिवारी, रमेश श्रीपत मलिक, पद्मलोचन सुदाम माझी, शिवकुमार श्रीरामेशचंद्र गुप्ता, दीपा मनोहर भाईप, लक्ष्मी विष्णु गुरंग, वंदना सिंह रंजीत सिंह ठाकुर, अनुजा लक्ष्मण सिंह, संपर ओसिम ट्रेडर, रेशमा खातून रशीद मुल्ला, पिंकी नितिन विश्वास, रेणुका खातून दुलाल शेख, पूर्णिमा संभू दास, देवी सेंदू कोनाई, रोहित श्यामलाल समेत 23 लोगों को गिरफ्तार किया है। छाबड़िया, मोहम्मद मतीन अब्दुल सलाम, कुलदीप हरिगोविंद गुप्ता, सुमित सुधाकर पवार, गणेश राम कल्याणकर, विजय गणपत तेजम, हेमंत विट्ठल ईश्वर और रामेश्वर मदन गवली।

आशीष दामले बने ठाणे जिले के नये मंत्री

■ परशुराम आर्थिक विकास निगम के अध्यक्ष आशीष दामले को मंत्री पद का दर्जा

■ शरद पवार के करीबी बताए जाते हैं दामले

■ एनसीपी कोटे से बनाए गए मंत्री

बदलापुर. ठाणे जिले को राज्य के परशुराम आर्थिक विकास निगम के अध्यक्ष आशीष दामले के रूप में एक नया मंत्री मिल गया है। राज्य सरकार के नियोजन विभाग द्वारा 16 सितंबर को लिए गए सरकारी फैसले के अनुसार, आशीष दामले को मंत्री का दर्जा और अन्य सुविधाएं दी गई हैं। राज्य निगम का अध्यक्ष एक पदेन राज्य मंत्री होता है। हालाँकि, यह आश्चर्य की बात है कि आशीष दामले को परशुराम आर्थिक विकास निगम के माध्यम से कैबिनेट मंत्री का दर्जा दिया गया है। उनकी नियुक्ति के साथ, ठाणे जिले में मंत्रियों की संख्या चार हो गई है। राजनीतिक रूप से, इस फैसले में जिले के राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के मंत्री भी शामिल हो गए हैं। इसके दूरगामी परिणाम होने की संभावना है। राज्य विधानसभा चुनावों में भाजपा, शिवसेना और राकांपा गठबंधन को भारी मतों से जीत मिलने के बाद, उन्होंने राज्य में सरकार बनाई। उसके बाद, देवेंद्र फडणवीस मुख्यमंत्री और एकनाथ शिंदे और अजित पवार उपमुख्यमंत्री बने। सरकार बनने के बाद निगमों का बंटवारा भी बराबर-बराबर कर दिया गया। इसी के तहत, राज्य में ब्राह्मण वर्ग के लिए महत्वपूर्ण परशुराम आर्थिक विकास निगम, अजित पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के पास चला गया। इससे कई लोगों में खलबली मच गई। भाजपा और महागठबंधन के अन्य दलों के हाथ लगने से पहले ही, बदलापुर के आशीष दामले को निगम का अध्यक्ष नियुक्त कर दिया गया।

आशीष दामले को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और खासकर पवार परिवार का करीबी माना जाता है। उनके चयन ने कई लोगों को चौंका दिया। आशीष दामले ने इस नए निगम का काम शुरू किया था। राज्य में निगम का अध्यक्ष एक पदेन राज्य मंत्री होता है। उसे यह दर्जा प्राप्त है। उसे इस नवगठित निगम को नए अधिकारी प्रदान करने के लिए नियुक्त किया गया था। उसके बाद, अब इस निगम का कामकाज चल रहा है। दामले निगम का काम करने के लिए राज्य भर में घूम रहे हैं, वहीं राज्य सरकार ने अब आशीष दामले को मंत्री का दर्जा दे दिया है।

ठाणे जिले में मंत्रियों की संख्या अब 4

राज्य नियोजन विभाग ने मंगलवार को कैबिनेट बैठक के दिन इस संबंध में सरकारी फैसले की घोषणा की। तदनुसार, परशुराम आर्थिक विकास निगम के अध्यक्ष को मंत्री का दर्जा देने का निर्णय लिया गया है। इसलिए, अब ठाणे जिले में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी का भी एक मंत्री होगा। ठाणे जिले में मंत्रियों की संख्या अब चार हो गई है और आशीष दामले अब उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक और भाजपा के वन मंत्री गणेश नाईक के साथ चौथे मंत्री बनेंगे। चर्चा है कि इसका राजनीतिक स्तर पर भी असर पड़ेगा।

एटीएम आपरेटरों ने किया 2 लाख रुपये का गबन

■ कैश मैनेजमेंट सर्विस कंपनी से धोखाधड़ी

■ दो के खिलाफ मामला दर्ज

बदलापुर. बदलापुर में एक एटीएम मशीन में छोटी रकम जमा करके बाकी पैसे को निजी फायदे के लिए इस्तेमाल करने का गंभीर मामला सामने आया है। कुल 2 लाख 4 हजार 500 रुपये का गबन होना स्पष्ट हुआ है. बदलापुर पूर्व पुलिस स्टेशन में इस संबंध में मामला दर्ज होने के बाद यह मामला सामने आया है।

यह धोखाधड़ी 5 अप्रैल 2025 से 12 मई 2025 के बीच हुई। हिताची कैश मैनेजमेंट सर्विस कंपनी द्वारा नियुक्त कस्टोडियन जय पाटिल और भूषण कडू नामक 2 एटीएम ऑपरेटरों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। कंपनी ने उन्हें बदलापुर पूर्व रेलवे स्टेशन क्षेत्र में स्थित एटीएम केंद्र में नियमित रूप से पैसे जमा करने का काम सौंपा था। हालाँकि, दोनों ने मिलकर दो मशीनों, एटीएम आईडी MPB 02567 और एटीएम आईडी SPB03151 में निर्धारित राशि से कम पैसे जमा किए। उन्होंने शेष राशि अपने पास रख ली और उसका इस्तेमाल अपने फायदे के लिए किया। इस तरह कंपनी से कुल 2 लाख 04 हजार 500 रुपये का गबन किया गया। कंपनी के आंतरिक ऑडिट के दौरान यह वित्तीय अनियमितता सामने आई। इसके बाद, कंपनी के अधिकारी तुरंत बदलापुर पुलिस स्टेशन पहुँचे और शिकायत दर्ज कराई। इस गंभीर मामले में दोनों आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी और गबन का मामला दर्ज किया गया है।

अंबरनाथ में कई राशन दुकानों के लाइसेंस रद्द

■ वालेकर की शिकायत पर की कई कार्रवाई -राशन अधिकारी

■ वालेकर ने कहा - हम संतुष्ट नहीं, फिर आंदोलन करेंगे

अंबरनाथ. अंबरनाथ के कई अधिकृत राशन दुकानों में अनाज वितरण में अनियमितता पाए जाने पर उप नियंत्रक शिधावाटप फ परिमंडल ठाणे के आदेश पर अंबरनाथ अधिकारी एस. बी. पाटसुते ने कई राशन दुकानों के लाइसेंस रद्द कर दिए हैं. राशन दुकानों की जांच एवं गृह भेंट करके ये कार्रवाई की गई है. अंबरनाथ के पूर्व उपनगराध्यक्ष राजेंद्र वालेकर द्वारा कार्यालय पर मोर्चा निकालकर निवेदन देने पर ये कार्रवाई की गई है. ऐसी जानकारी हमें अंबरनाथ राशनिंग अधिकारी पाटसुते ने प्रेस विज्ञप्ति द्वारा दी है.

■ 18 जुलाई को निकाला गया था मोर्चा

विदित हो कि 18 जुलाई को स्वतः अरविंद वालेकर, राजेंद्र वालेकर ने राशन कार्यालय पर मोर्चा निकालकर अधिकारी से मौखिक एवं लिखित में शिकायत करने के बाद 11 राशन दुकानों की जांच की गई. कई उपभोक्ताओं से उनके घरों में जाकर शिकायतें सुनने के बाद अ.शि.वा. दुकान क्र. 46-F-33-33 एन 34, 46-F-38, 46-F-30-86 एन 131 एन, 46-F-139 और 46-F-60 इन दुकानों के लाइसेंस रद्द कर दिए गए हैं. ऐसा पाटसुते ने बताया है. वालेकर की शिकायत पर किसी भी दुकानदार को जांच के मामले में छोड़ा नहीं गया है. कार्यालय के स्तर पर फिरता पथक भी तैनात किया गया है. वालेकर की शिकायत पर कुछ और दुकानों की जांच अभी शेष है और लोगों से घरों में भेंट करके उनसे ये पूछ रहे हैं कि उन्हें दुकानदार सही अनाज दे रहा है या नहीं. पाटसुते ने लोगों से ये भी आह्वान किया है कि अगर किसी को किसी भी राशन दुकान के बारे में शिकायत है, तो उनसे तुरंत संपर्क किया जाए.

प्रतिक्रिया...

वहीं दूसरी तरफ राजेंद्र वालेकर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए बताया कि हम इस कार्रवाई से संतुष्ट नहीं हैं. जिन बड़ी मछलियों पर कार्रवाई की जानी थी, उनको छोड़कर अन्य राशन दुकानदारों पर कार्रवाई की गई है. इसलिए हम एक बड़े आंदोलन की तैयारी कर रहे हैं.

15 लोगों के एक गुट ने युवक की पिटाई

कल्याण. सार्वजनिक स्थान पर पेशाब क्यों कर रहे हो? क्या यह पेशाब करने की जगह है? यह पूछते हुए एक शराबी ने कल्याण के मुरबाड रोड स्थित मुरार बाग में रहने वाले एक युवक की शुक्रवार रात करीब 10:30 बजे पिटाई कर दी। इसके बाद, युवक अपने साथ 15 लोगों का एक समूह लेकर आया। उन्होंने युवक की फिर से पिटाई की और उसके सिर पर बीयर की बोतल फोड़ दी, जिससे उसके सिर से खून बहने लगा।

गंभीर रूप से घायल युवक का नाम कौस्तुभ महेंद्र येरपुड़े (27) है। वह मुरबाड रोड स्थित मुरार बाग इलाके में रहता है। वह मुंबई में एक बीमा कंपनी में काम करता है। शुक्रवार रात 9:30 बजे, कौस्तुभ येरपुड़े कल्याण स्टेशन के पास से दोपहिया वाहन पर घर आ रहा था। मुरबाड रोड से गुज़रते हुए, म्हसकर अस्पताल चौक के पास कौस्तुभ का दोपहिया वाहन खराब हो गया। कौस्तुभ और उसका दोस्त सचिन डोम्बे उसे एक वाहन मरम्मत की दुकान पर ले गए। तब तक रात के 10:30 बज चुके थे।तबीयत खराब होने पर, कौस्तुभ रोहित वाइन शॉप के पास एक अंधेरी जगह पर गया। वहाँ, एक 35 वर्षीय व्यक्ति सार्वजनिक स्थान पर अंधेरे में शराब पी रहा था। उस व्यक्ति ने कौस्तुभ से पूछा कि क्या यह पेशाब करने की जगह है और उसे थप्पड़ मार दिया। कौस्तुभ को पीटने और जाने के बाद, वह व्यक्ति अपने साथ 15 और लोगों को उस जगह ले आया जहाँ कौस्तुभ खड़ा था। उन्होंने कौस्तुभ येरपुडे से फिर बहस की। एक बहस के बाद, 15 लोगों ने कौस्तुभ की पिटाई कर दी।

अंबुजा सीमेंट परियोजना का नागरिकों ने किया कड़ा विरोध

कल्याण. अडानी सीमेंट व्यवसाय, कल्याण के निकट अंबिवली क्षेत्र में 26.13 हेक्टेयर भूमि पर अंबुआ सीमेंट प्रसंस्करण परियोजना स्थापित करने जा रहा है. इस परियोजना के बारे में नागरिकों के सुझाव और आपत्तियाँ जानने के लिए मंगलवार को एनआरसी शहाड़ क्षेत्र में एक जनसुनवाई का आयोजन किया गया। इस जनसुनवाई के दौरान, स्थानीय निवासियों के साथ-साथ पर्यावरण प्रेमी नागरिकों ने राजस्व और महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारियों को चेतावनी दी कि वे इस सीमेंट परियोजना से होने वाले वायु और जल प्रदूषण के मुद्दे पर इस परियोजना का कड़ा विरोध करेंगे। इस जनसुनवाई में मोहने, अंबिवली, अटाली, टिटवाला, मांडा, गालेगांव, शहाड़ क्षेत्रों के नागरिकों के साथ-साथ राजनीतिक और पर्यावरण प्रेमी नागरिक भी बड़ी संख्या में उपस्थित थे। अधिकांश उपस्थित लोगों ने जनसुनवाई में विद्वतापूर्ण तरीके से अपने विचार प्रस्तुत किए। उपस्थित अधिकारियों ने बताया कि ये सभी विचार एक रिपोर्ट के माध्यम से सरकार को भेजे जाएँगे।

जनसुनवाई शुरू होते ही आंबिवली क्षेत्र में अडानी समूह की सीमेंट परियोजना कैसी होगी? इस परियोजना क्षेत्र में 9.67 हेक्टेयर हरित पट्टी विकसित की जाएगी। इसके अलावा, इस क्षेत्र में 19

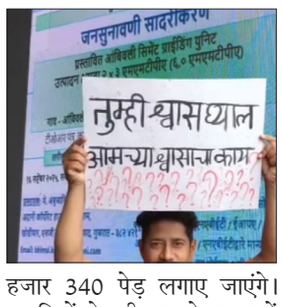

हजार 340 पेड़ लगाए जाएंगे। नागरिकों के जीवन को ध्यान में रखते हुए यह परियोजना प्रदूषण मुक्त होगी, इस समय समूह द्वारा एक ऑडियो-विजुअल फिल्म दिखाई गई।

भिवंडी के सांसद सुरेश म्हात्रे इस परियोजना के विरोध में हैं क्योंकि यह परियोजना दीर्घकालिक प्रदूषणकारी है और हम स्थानीय निवासियों के साथ हैं। यदि नागरिक इस परियोजना के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करते हैं, तो हम उसमें भाग लेंगे।

इस परियोजना के क्षेत्र में पाँच सौ से एक हज़ार मीटर की दूरी पर उल्हास, कालू, भातसा नदियाँ हैं। ये कल्याण, डोंबिवली, निम्म ठाणे जिलों के पेयजल स्रोत हैं। इस परियोजना के कारण ये जल स्रोत प्रदूषित होंगे। इस क्षेत्र में स्कूल, कॉलेज, धार्मिक संस्थान हैं। रेलवे स्टेशन हैं। इस परियोजना से प्रदूषण के माध्यम से उन पर असर पड़ेगा। यह एक विनाशकारी परियोजना है। इसलिए, नागरिकों ने जनसुनवाई में अपने विचार व्यक्त किए कि यह परियोजना इस क्षेत्र में नहीं होनी चाहिए।

स्थानीय निवासियों ने कहा कि पिछली कंपनी ने अभी तक हमें उस ज़मीन की कीमत नहीं दी है जहाँ यह परियोजना बन रही है। इसलिए, अगर इस क्षेत्र में कोई नई सीमेंट परियोजना बनाई जा रही है, तो हम इसका कड़ा विरोध करते हैं। नागरिक परियोजना के विरोध में नारे लगा रहे थे। भारी पुलिस सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। यह परियोजना भिवंडी, कल्याण, अंबरनाथ तालुका के 10 किलोमीटर के दायरे में आने वाले गाँवों को प्रभावित करेगी। यह जनसुनवाई केंद्रीय पर्यावरण विभाग के निर्देशानुसार आयोजित की गई थी।

वन विभाग का आदिवासी पर अत्याचार

पीड़ित आदिवासी ने दी जिलाधिकारी कार्यालय पर आत्महत्या की धमकी

उल्हास विकास संवाददाता

अंबरनाथ. अंबरनाथ के जावसाई गांव के पास वन विभाग की मनमानी से यहां के आदिवासी परेशान हैं. वन विभाग पर ये भी आरोप लगाया गया है कि उनके अधिकारी कुछ लोगों को फायदा पहुंचाने का काम करते हुए भ्रष्टाचार कर रहे हैं. यहां पर 20 हजार वृक्ष लगाने के लिए बुलडोजर से जमीन को लेवल किया जा रहा है. जबकि एक आदिवासी सुरेश ने ये दावा किया है कि ये भूमि उनकी है.

अधिकारी से जब जमीन के बारे में सबूत मांगे जाते हैं तो वह कोई सबूत नहीं दे रहे हैं. वन विभाग के अधिकारी की शिकायत वनमंत्री गणेश नाईक से की जाएगी. ऐसी बात शिवसेना के नेता विकास हेमराज ने की है.

उन्होंने बदलापुर वन विभाग पर आरोप लगाया है कि वन विभाग वाले आदिवासी को खेती करने नहीं देते हैं. जबकि आगे की भूमि पर दो सौ से ज्यादा अवैध घर बना दिए गए हैं. करोड़ों रुपए खर्च करके नई प्रिंटिंग मशीनें वन विभाग की मिलीभगत से लगाई गई है. ये एक बड़ा भ्रष्टाचार है. आदिवासियों को लेकर वह वन विभाग पर मोर्चा निकालने की तैयारी में हैं. यहां पर एक कच्चा रास्ता है, जिसे पक्का बनाने के लिए वन विभाग ने रोक लगा दिया है. आदिवासी सुरेश ने पत्रकारों को बताया कि ये भूमि उनके पुरखों की है, जिस पर वन विभाग का कब्जा करने का प्रयास कर रहा है. अगर ऐसा हुआ तो वह जिलाधिकारी कार्यालय के समक्ष फांसी लगाकर आत्महत्या करेंगे.

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास संपादकीय

बीएमडब्ल्यू से लेकर बुलेट तक

सड़क पर सुरक्षा के लिए कानून के तहत यातायात नियम निर्धारित किए गए हैं। जिनमें हेलमेट और सीटबेल्ट पहनना, नशे में वाहन न चलाना, निर्धारित गति सीमा का पालन करना और सुरक्षित रूप से सड़क पार करना भी शामिल है। इसके बावजूद वाहन सवार और पैदल चलने वालों के लिए जान का जोखिम कम नहीं हो रहा है। इसका सबसे बड़ा कारण है यातायात नियमों की अनदेखी करना।

खासकर महंगे एवं आरामदायक वाहनों में सफर करने वाले कुछ लोगों का तो जैसे यातायात नियमों से कोई वास्ता ही नहीं है। तेज रफ्तार को वे अपनी शान समझते हैं। ऐसे लोग खुद के साथ-साथ सड़क पर अन्य लोगों की जान खतरे में डालने से जरा भी नहीं हिचकते। दिल्ली छावनी मेट्रो स्टेशन के पास रविवार को हुआ जानलेवा हादसा इसका ताजा उदाहरण है। गौरतलब है कि एक तेज रफ्तार बीएमडब्लू कार ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी थी, जिससे वित्त मंत्रालय में कार्यरत एक अधिकारी की मौत हो गई और उनकी पत्नी समेत तीन अन्य लोग घायल हो गए।

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की ओर से जारी एक रपट के मुताबिक, देश में प्रतिदिन 474 लोग सड़क हादसे में अपनी जान गंवा देते हैं। वर्ष 2023 में 1.72 लाख लोगों की सड़क हादसे में जान गई है, जो वर्ष 2022 में 1.68 लाख मौतों के मुकाबले कहीं ज्यादा है। आंकड़ों से पता चलता है कि सड़क हादसों की सबसे बड़ी वजह तेज रफ्तार है। वर्ष 2023 में सड़क हादसों में हुई कुल मौतों में से 68 फीसद से ज्यादा तेज गति से वाहन चलाने के कारण हुई हैं। इससे साफ है कि सड़क पर तेज रफ्तार का जुनून कितना भयावह साबित हो रहा है।

इस तरह के जुनून में डूबे लोग आमतौर पर यातायात संबंधी नियम-कानूनों को ताक पर रख कर वाहन चलाते हैं। ऐसे में कानूनों को सख्ती से लागू करने के साथ-साथ जरूरत है उन लोगों की मानसिकता को बदलने की, जो सड़क पर तेज रफ्तार को अपनी शान समझते हैं। शासन-प्रशासन को सुनिश्चित करना होगा कि यातायात नियमों का किसी भी हाल में उल्लंघन न हो, तभी सड़क हादसों पर कुछ हद तक अंकुश लगाया जा सकता है।

उपेक्षा के शिकार बुजुर्गों की सुध लें

पिछले महीने एक बुजुर्ग दंपती की खबर खूब चर्चित हुई। यह घटना थी उत्तर प्रदेश के मैनपुरी जिले की, जिसमें बेटे-बहू की उपेक्षा और उत्पीड़न से परेशान बुजुर्ग ने नहर में छलांग लगा दी। पति को बचाने के लिए पत्नी भी नहर में कूद गई और नौ किमी तक पति का हाथ थामकर तैरती रही, लेकिन उन्हें बचा नहीं पाई। इस घटना के कुछ ही दिन बाद छत्तीसगढ़ के जशपुर से खबर आई कि एक बेटे ने कुल्हाड़ी से काटकर मां के टुकड़े कर डाले।

एक अन्य खबर के अनुसार उपेक्षा से त्रस्त पिता ने बेटियों के अपमान और लालच से तंग आकर चार करोड़ रुपये की संपत्ति मंदिर को दान दे दी। ऐसी तमाम घटनाएं समाज में आए दिन घटित हो रही हैं। भारतीय समाज में आज भी श्रवण कुमार आदर्श माने जाते हैं। मां-बाप की कामना होती है कि उनका बेटा श्रवण कुमार हो, लेकिन श्रवण कुमार भारतीय परंपरा से अब खत्म से होते दिखते हैं। बुजुर्गों की बदहाल स्थिति और बढ़ते वृद्धा आश्रम इसके प्रत्यक्ष उदाहरण हैं। यह रुझान समय के साथ और बढ़ता ही जा रहा है।

भारत में वृद्धों की सेवा और रक्षा के लिए कई कानून बने हैं। केंद्र सरकार ने वरिष्ठ नागरिकों के लिए 2007 में वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण अधिनियम लागू किया। भारत के रजिस्ट्रार जनरल की तरफ से नमूना पंजीकरण प्रणाली रिपोर्ट के अनुसार देश में प्रजनन दर घटी है, जिसके कारण 0-14 वर्ष की आबादी घट रही है और 60 साल से अधिक उम्र के लोगों की जनसंख्या 10 प्रतिशत की दर से बढ़ रही है। केरल सरकार ने इसी बढ़ती आबादी

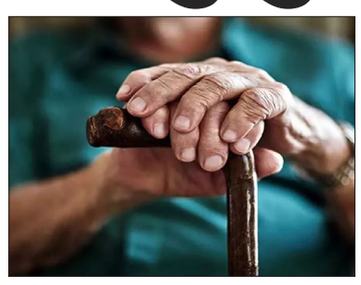

और बुजुर्गों के जीवन की समस्याओं के मद्देनजर वृद्ध आयोग का गठन किया, जो सराहनीय कदम है, लेकिन दुर्भाग्यवश तमाम सुविधाएं, नियम-कानून कागजों में ही ज्यादा सीमित हैं।

पिछले कुछ वर्षों में बुजुर्गों से जुड़े अलग तरह के मामले सामने आए। इनमें ज्यादातर बुजुर्ग विधवा अथवा विधुर थे और अकेले थे। पति या पत्नी का सहारा ऊपर वाले ने छीन लिया था और बच्चों का किस्मत ने। जिस बुढ़ापे के लिए बच्चों को पाल-पोसकर बड़ा किया था, उन्होंने ही बुढ़ापे में जीना मुश्किल कर दिया और वह भी थोड़ी सी संपत्ति के लिए। दुर्भाग्यवश ऐसी घटनाओं में बुजुर्ग नियमानुसार मदद मांगने जाते हैं तो उन्हें कोई सहायता नहीं मिलती है। कई मामलों में बुजुर्गों ने सबसे पहले वन स्टाप सेंटर में शिकायत की। वहां अदालत की तर्ज पर तारीखें मिलने लगीं। तारीख पर दोनों पक्षों को बुलाया जाता। थक-हार कर शिकायत मुख्यमंत्री ग्रिवांस सेल, एसडीओ, कलेक्टर, एसपी, डीजीपी, कमिश्नर, मानवाधिकार आयोग, डीएलएसए और हेल्पलाइन नंबर पर की गई। सामाजिक सुरक्षा निदेशालय को भी सूचना भेजी गई, जहां से जिलाधिकारी को कार्रवाई करके रिपोर्ट भेजने का निर्देश मिला, किंतु सब व्यर्थ रहा।

अचंभे की बात यह है कि कई अधिकारियों और पुलिस वालों को भी वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण अधिनियम की जानकारी नहीं होती। एक अधिकारी सिर्फ इतना जानते थे कि 10,000 रुपये भरण-पोषण दिया जाता है। जबकि इसके तहत माता-पिता द्वारा दुर्व्यवहार की शिकायत पर संतानों पर दंड, जुर्माने के साथ संपत्ति से बेदखल करने और हस्तांतरित संपत्ति वापस लेने का भी प्रविधान है, लेकिन इसका शायद ही इस्तेमाल होता है।

शारीरिक और आर्थिक असमर्थता के बीच अधिकारियों और थाने के चक्कर लगा-लगाकर कई बुजुर्ग टूट जाते हैं और अवसाद में जीवनयापन करने लगते हैं। हमें यह बात नहीं भूलनी चाहिए कि ये वही बुजुर्ग हैं, जिनकी कहानियां बच्चों में संस्कारों की नींव रखती थी, जिनकी लोरियां उन्हें सुखद नींद में परियों के देश का भ्रमण कराती थी। माता-पिता जब डांटते, तब दादा-दादी का ही आश्रय होता था। एकल परिवार की संकल्पना ने बच्चों से बुजुर्गों का सहारा छीन लिया और बुजुर्गों से छत।

भागमभाग के बीच संतानें बुजुर्गों को समय नहीं दे पातीं, जिससे उनमें अकेलापन, अवसाद बढ़ रहा है। साथ ही हिंसात्मक घटनाओं में भी वृद्धि हो रही है। माता-पिता अपनी संतानों के खिलाफ शिकायत नहीं करना चाहते। ऐसा करते भी हैं तो तब तक कोई कार्रवाई नहीं होती, जब तक कोई अनहोनी घटना नहीं घट जाती। प्रशासन का रुख वृद्धों के मनोबल को तोड़ देता है। अंततः वे वृद्धाश्रम जाने को मजबूर हो जाते हैं या आत्महत्या कर लेते हैं।

जीवन में सफलता की कुंजी है
प्रभु पर ध्यान केंद्रित रखना।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

वक्फ कानून पर कोर्ट के फैसले में कुछ राहत

इसी वर्ष अप्रैल की शुरुआत में संसद से पारित होने के बाद वक्फ संशोधन अधिनियम, 2025 अस्तित्व में आया, तभी से इसके कुछ प्रावधानों को लेकर मुसलिम समुदाय के भीतर कई असहमतियां पैदा हुई थीं और इस पर रोक की मांग की जा रही थी। प्रतिक्रियाओं के समांतर जब यह मामला सर्वोच्च न्यायालय में गया, तब यह उम्मीद जगी कि इस कानून पर उभरी असहमतियों पर कोई स्पष्टता कायम हो सकेगी। सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ संशोधन अधिनियम से जुड़े मामले पर जो अंतरिम फैसला दिया, उस पर प्रभावित पक्षों की सकारात्मक प्रतिक्रिया इस पर उभरे विवाद को सुलझाने में मददगार साबित हो सकती है। अदालत ने वक्फ कानून पर रोक लगाने की मांग को मानने से तो इनकार कर दिया, लेकिन अधिनियम के कुछ ऐसे प्रावधानों पर रोक लगा दी, जिन्हें याचिकाकर्ताओं ने चुनौती दी थी। निश्चित रूप से इसके किसी निष्कर्ष तक पहुंचने में शायद वक्त लगेगा, मगर इस मुद्दे पर जिस स्तर के तीखे मतभेद खड़े हो गए थे, उसमें शीर्ष अदालत का फैसला विवाद को अंतिम तौर पर खत्म करने की दिशा में सहायक साबित हो सकता है।

गौरतलब है कि वक्फ संशोधन अधिनियम में सबसे बड़ी आपत्ति

जिलाधिकारी को सौंपे गए अधिकार पर जताई गई थी। इसमें वक्फ बोर्ड के सर्वे का अधिकार खत्म कर दिया गया था। अब सुप्रीम कोर्ट ने अधिनियम की उस धारा पर रोक लगा दी है, जिसमें जिलाधिकारी को यह तय करने का अधिकार दिया गया था कि कोई घोषित वक्फ संपत्ति सरकारी संपत्ति है या नहीं। अदालत ने यह भी स्पष्ट कर दिया कि केंद्रीय वक्फ बोर्ड में चार और राज्य के बोर्ड में तीन से ज्यादा गैर-मुसलिम सदस्य नहीं होने चाहिए। फिलहाल केंद्रीय बोर्ड में बाईस और राज्य के वक्फ बोर्डों में कुल ग्यारह सदस्य होते हैं। इसी तरह, एक अहम निर्देश के तहत अदालत ने उस प्रावधान पर भी नए नियम बनने तक के लिए रोक लगा दी, जिसके तहत पांच वर्ष से इस्लाम का अनुयायी रहा व्यक्ति ही अपनी संपत्ति वक्फ को दान कर सकता था।

जाहिर है, सुप्रीम कोर्ट ने इस बेहद संवेदनशील मसले पर फैसला देते हुए काफी हद तक संतुलित रुख अख्तियार किया। यही वजह है कि एक ओर इस अंतरिम निर्णय को मुसलिम पक्ष ने राहत देने वाला बताया है, वहीं इस अधिनियम के समर्थन में हस्तक्षेप करने वाले याचिकाकर्ताओं ने भी संतोष जताया और केंद्र सरकार भी स्वाभाविक रूप से खुश है कि अदालत ने इस पूरे कानून पर रोक नहीं लगाई। इसके बावजूद, यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि वक्फ संशोधन अधिनियम को अंतिम रूप देने से पहले अगर संबंधित पक्षों से भी इस कानून के सभी संवेदनशील पहलुओं पर व्यापक विचार-विमर्श किया जाता, उठाई गई आपत्तियों का निराकरण किया जाता तो क्या इसे अदालत के कठघरे में ले जाने से नहीं बचाया जा सकता था!

दरअसल, देश के लोकतांत्रिक ढांचे में यह उम्मीद की जाती है कि कोई भी कानून बनाने या उसमें बदलाव लाने के दौरान उन तबकों-समूहों की राय ली जाएगी, उनका ध्यान रखा जाएगा और उन प्रश्नों को हल किया जाएगा, जिनकी वजह से विवाद की स्थिति बनती है। इसके लिए अदालती हस्तक्षेप की नौबत नहीं आनी चाहिए। बहरहाल, वक्फ संशोधन अधिनियम, 2025 के संदर्भ में सुप्रीम कोर्ट ने फिलहाल स्थिति स्पष्ट कर दी है और उम्मीद की जानी चाहिए कि अब इससे संबंधित अन्य पहलुओं पर एक व्यापक सहमति बनेगी।

किसी जन्नत से कम नहीं है इस अंडरग्राउंड बंकर का नजारा

जरा हट के

न्यूक्लियर बंकर की बात सुनते ही दिमाग में अंधेरे, ठंडे और डरावने कमरों की तस्वीर उभरती है. बंकरों का मकसद युद्ध के समय परमाणु हमलों तक से बचाने वाले जमीन के अंदर एक खुफिया जगह बनाना रहा है, जो कुछ दिन ही नहीं बल्कि महीनों तक इंसान को वहीं जिंदा रख पाने के काबिल हों. लेकिन लास वेगास का यह अनोखा अंडरग्राउंड घर आपकी सोच बदल देगा. 1970 के दशक में बना यह मजबूत शेल्टर शीतयुद्ध के खौफ के दिनों की याद दिलाता है साथ ही यहां का नजारे और सुविधाएं आपको सकते में डाल देंगी. उस वक्त अमेरिका और सोवियत संघ के बीच तनाव चरम पर था, और कई अमेरिकी परिवार न्यूक्लियर हमले के डर से बंकर बनवा रहे थे. लेकिन यह 75 करोड़ रापये की प्रॉपर्टी अमेरिका के सबसे असामान्य घरों में शुमार है. यहां केवल जिंदगी बचाने के साधन ही नहीं हैं, बल्कि उनके साथ

लग्जरी भी है.

किसने बनवाया था?

"लास वेगास अंडरग्राउंड हाउस" के नाम से मशहूर यह दुनिया का सबसे बड़ा 'एटॉमिटैट' (एटॉमिक हैबिटैट का शॉर्ट फॉर्म) है. इसे मूल रूप से एवन प्रोडक्ट्स के एक्जीक्यूटिव जेरार्ड हेंडरसन ने 1974-1978 के बीच आर्किटेक्ट जे स्वेज से बनवाया था. बताया जाता था कि यह बंकर आर्मागेडन (प्रलय) के समय स्टाइलिश तरीके से गुजारने के लिए बना था.

ऊपर ग्राउंड एक सामान्य दिखने वाला घर है, जो नीचे के इस गुप्त शेल्टर को छिपाता है. प्रॉपर्टी करीब 1 एकड़ में फैली है, जिसमें कुल मिलाकर 5 बेडरूम, 6 बाथरूम और 16,936 वर्गफुट लिविंग स्पेस है. यह बंकर जनरेटर, 1,000 गैलन वॉटर टैंक, वाटरप्रूफ कंक्रीट शेल के साथ पूरी तरह "आत्मनिर्भर" है.

यहां जिंदा रहने के मतलब सिर्फ मूल सुविधाओं के साथ रहना नहीं, बल्कि लास वेगास स्टाइल लग्जरी है. अंदर एक इनडोर पूल है, जहां ग्रोट्टो-स्टाइल का झरना बहता है. पार्टी लवर्स के लिए डांस फ्लोर, फुल बार, मल्टीपल सौनास और यहां तक कि एक प्रोग्रामेबल फेक स्काई, जो दिन-रात के चक्र में चलता है.

टेस्टी टमाटर पुलाव

खाना-खजाना

सामग्री :

- बासमती चावलः 1 कप
- टमाटरः 2 बड़े
- प्याजः 1 मीडियम
- अदरक-लहसुन का पेस्टः 1 चम्मच
- हरी मिर्चः 2
- पुलाव मसालाः 1 चम्मच
- हल्दी पाउडरः आधा चम्मच
- लाल मिर्च पाउडरः आधा चम्मच
- जीराः 1 चम्मच
- तेल/घीः 2 बड़े चम्मच
- नमकः स्वादानुसार
- पानीः 2 कप
- धनिया पत्ती

विधि :

सबसे पहले, चावल को धोकर 15-20 मिनट के लिए भिगो दें। इससे चावल खिले-खिले बनेंगे।

एक प्रेशर कुकर या गहरे पैन में तेल या घी गरम करें। जीरा डालें और इसे चटकने दें। अब इसमें बारीक कटा हुआ प्याज डालें और

हल्का सुनहरा होने तक भूनें।

प्याज भुन जाने के बाद अदरक-लहसुन का पेस्ट और हरी मिर्च डालें। इसे तब तक भूनें जब तक इसकी कच्ची महक न चली जाए।

अब इसमें बारीक कटे हुए टमाटर डालें और उन्हें नरम होने तक पकाएं। जब टमाटर गल जाएं, तो इसमें हल्दी पाउडर, लाल मिर्च पाउडर और पुलाव मसाला डालें। सभी मसालों को अच्छी तरह मिलाएं और 1-2 मिनट तक भूनें।

भिगोए हुए चावल को पानी निकालकर कुकर में डालें। चावल को मसालों के साथ हल्के हाथों से 1 मिनट तक मिलाएं। अब पानी और नमक डालें और अच्छी तरह मिक्स करें।

कुकर का ढक्कन बंद करें और तेज आंच पर एक सीटी आने तक पकाएं। इसके बाद आंच धीमी कर दें और 5 मिनट तक और पकाएं। फिर गैस बंद कर दें और कुकर को खुद से ठंडा होने दें।

दिल के डॉक्टर ने बताए ब्लॉकेज से बचने के 4 आसान तरीके

बिना दवाओं के भी आर्टरीज रहेंगी हेल्दी

दिल की बीमारियों के खतरे को कम करने के लिए आर्टरीज को हेल्दी रखना बेहद जरूरी है। जब ये आर्टरीज सख्त, संकरी या ब्लॉक होने लगती हैं, तो इससे हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए आर्टरीज को हेल्दी और फ्लेक्सिबल बनाए रखना जरूरी है। हालांकि, अनहेल्दी डाइट और लाइफस्टाइल की वजह से आर्टरीज के सख्त होने या ब्लॉक होने की समस्या बढ़ रही है। लेकिन अच्छी खबर यह है कि हम कुछ स्मार्ट बदलाव करके अपनी आर्टरीज को फ्लेक्सिबल और स्वस्थ बनाए रख सकते हैं। इस बारे में कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. संजय भोजराज ने 4 टिप्स बताए हैं, जिन्हें अपने रूटीन का हिस्सा बनाकर आप आर्टरीज को हेल्दी रख सकते हैं।

■ स्ट्रेंथ ट्रेनिंग

अक्सर लोग सोचते हैं कि दिल की सेहत के लिए सिर्फ कार्डियो (जैसे दौड़ना, साइकिल चलाना) ही काफी है। लेकिन वजन उठाना या बॉडीवेट एक्सरसाइज जैसी स्ट्रेंथ ट्रेनिंग भी उतनी ही जरूरी है।

ब्लड शुगर को स्थिर रखना– मजबूत मांसपेशियां शरीर में ग्लूकोज को बेहतर तरीके से इस्तेमाल करने में मदद करती हैं, जिससे इंसुलिन रेजिस्टेंस और डायबिटीज का खतरा कम होता है। डायबिटीज आर्टरीज की दीवारों को नुकसान पहुंचाने के लिए जानी जाती है।

ब्लड प्रेशर कंट्रोल– नियमित स्ट्रेंथ ट्रेनिंग ब्लड प्रेशर को कम करने में मददगार है। हाई ब्लड प्रेशर आर्टरीज पर दबाव बढ़ाती हैं, जिससे वे कमजोर और सख्त हो सकती हैं।

कैसे शुरू करें– सप्ताह में 2-3 बार 30-45 मिनट की वेट ट्रेनिंग, योग या पुश-अप, स्क्वाट जैसी एक्सरसाइज शुरू करें।

■ ओमेगा-3 फैटी एसिड की मात्रा बढ़ाएं

हमारे शरीर को अच्छे फैट्स की जरूरत होती है और ओमेगा-3 फैटी एसिड उनमें सबसे बेहतरीन है।

सूजन कम करना– ओमेगा-3 एक पावरफुल एंटी-इंफ्लेमेटरी एजेंट की तरह काम करता है, जो आर्टरीज की सूजन को कम करता है।

प्लाक जमाव रोकना– यह खराब कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने और अच्छे कोलेस्ट्रॉल को बढ़ाने में मदद करता है। साथ ही, आर्टरीज में प्लाक के जमाव को धीमा करता है।

क्या खाएं– फैटी फिश (सालमन, मैकेरल, सार्डिन), अखरोट, चिया सीड्स, फ्लैक्ससीड्स और अलसी के बीज को अपनी डाइट में शामिल करें।

■ नींद पूरी करें

नींद सिर्फ थकान मिटाने के लिए नहीं, बल्कि शरीर की अंदरूनी मरम्मत और सफाई के लिए जरूरी है।

कोर्टिसोल का स्तर कम होना– अनियमित और कम नींद तनाव हार्मोन 'कोर्टिसोल' के स्तर को बढ़ा देती है। लगातार कोर्टिसोल का लेवल बढ़े रहने से ब्लड प्रेशर और ब्लड शुगर को बढ़ाता है, जो आर्टरीज के लिए हानिकारक है।

आर्टरीज की सुरक्षा– गहरी और पूरी नींद के दौरान शरीर आर्टरीज की अंदरूनी नाजुक परत की मरम्मत करता है, जिससे वह फ्लेक्सिबल और हेल्दी बनी रहती है।

क्या करें– रोजाने एक ही समय पर सोने और उठने की कोशिश करें, और 7-8 घंटे की अच्छी नींद लें।

■ स्ट्रेस मैनेजमेंट

तनाव सीधे तौर पर आपके दिल और आर्टरीज पर अटैक करता है।

नर्वस सिस्टम को शांत करना– लगातार तनाव में रहने से ऑटोनॉमिक नर्वस सिस्टम गड़बड़ा जाता है, जिससे हार्ट रेट और ब्लड प्रेशर बढ़ जाता है। इससे आर्टरीज पर ज्यादा दबाव पड़ता है।

सूजन बढ़ना– क्रोनिक तनाव शरीर में सूजन का कारण बनता है, जो एथेरोस्क्लेरोसिस की अहम वजह है।

क्या करें– दिन में सिर्फ 10-15 मिनट का मेडिटेशन, डीप ब्रीदिंग एक्सरसाइज या ब्रिस्क वॉक भी आपके स्ट्रेस को कम करने में मदद करते हैं।

आज का राशिफल

मेष : स्वास्थ्य का ध्यान रखें। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। धर्नाजन होगा, जोखिम न लें। प्रयत्न एवं दूरदर्शिता से सहयोग एवं समर्थन मिलेगा। पारिवारिक सुख प्राप्त होगा। जोखिम के कार्यों में सावधानी रखें।

वृषभ : विवाद से क्लेश होगा। दुःखद समाचार मिल सकता है। पुराना रोग उभर सकता है। वस्तुएं संभालकर रखें। सामाजिक प्रतिष्ठा में कमी आ सकती है। कहासुनी, बहस हो सकती है। विवाद समाप्त होने से शांति एवं संतोष मिलेगा। संतान के प्रति झुकाव बढ़ेगा।

मिथुन : प्रयास सफल रहेंगे। मान-सम्मान मिलेगा। मनोरंजक यात्रा होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। उच्च और बौद्धिक वर्ग में विशेष सम्मान मिलने की संभावना है। भूमि संबंधी लेन-देन में रुचि बढ़ेगी। दूसरों के काम में हस्तक्षेप न करें।

कर्क : अतिथियों का आवागमन होगा। शुभ समाचार मिलेंगे। मान बढ़ेगा। प्रसन्नता रहेगी। धनार्जन होगा। व्यापारिक उन्नति होगी। अनायास किसी समस्या का समाधान हो सकता है। अपना व्यवहार संयमित रखकर काम करना जरूरी है।

सिंह : यात्रा मनोरंजक रहेगी। वरिष्ठ जन सहयोग करेंगे। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। धनलाभ के अवसर आएँगे। जीवनसाथी से संबंधों में मधुरता आएगी। अहम का भाव मन में न पनपने दें। पूंजी निवेश लाभकारी रहेगा।

कन्या : घर में अशांति रह सकती है। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। तनाव रहेगा। जल्दबाजी न करें। नौकरी, व्यवसाय में इच्छित वातावरण तैयार होगा। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। राजनीतिक एवं सामाजिक कार्यों में सफलता की संभावना है।

तुला : वाणी पर नियंत्रण रखें। जल्दबाजी न करें। बकाया वसूली होगी। यात्रा मनोरंजक रहेगी। धनार्जन होगा। आलस्य को त्यागकर प्रत्येक काम समय पर करें। व्यापार अच्छा चलेगा। परोपकारी स्वभाव होने के कारण दूसरों की मदद करके सुख अर्जित करेंगे।

वृश्चिक : नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। प्रसन्नता रहेगी। पिता का स्वास्थ्य संतोष देगा। आजीविका में प्रगति होगी। समय का दुरुपयोग न करें। अधिकारी कामकाज में सहयोग करेंगे। शत्रु भय रहेगा।

धनु : देव दर्शन हो सकता है। सत्संग का लाभ मिलेगा। बाहरी सहयता मिलेगी। रुके कार्य बनेंगे। सुखद यात्रा के योग बनेंगे। सोच-समझकर व्यय करें। पारिवारिक समस्याओं का हल सूझ-बूझ से करेंगे। व्यापार लाभप्रद रहेगा।

मकर : कष्ट, भय, तनाव का माहौल बनेगा। चोट, चोरी व विवाद आदि से हानि संभव है। शत्रु पक्ष से सतर्क रहें। आपके कार्यों की परिवार एवं समाज में प्रशंसा होगी। संतान की मदद से आत्मविश्वास बढ़ेगा। व्यापार में नए अनुबंधों से लाभ होगा।

कुंभ : वरिष्ठजन सहयोग करेंगे। शुभ समाचार मिलेंगे। प्रसन्नता बनी रहेगी। अपनी स्थिति, योग्यता के अनुरूप कार्य कर पाएँगे। अनसोचे काम होंगे। संपत्ति के लेन-देन में सावधानी रखें। व्यापार अच्छा चलेगा। कुसंगति से बचें। वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है।

मीन : घर-परिवार की चिंता रहेगी। भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। बाहरी सहायता प्राप्त होगी। परिवार में सहयोग का वातावरण रहेगा। अनायास समस्या सुलझेगी। व्यापार-व्यवसाय में आशानुकूल स्थिति बनेगी। संत-समागम होगा।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

गुलाब के पौधे में नहीं आ रहे फूल?

■ गार्डनिंग के ये टिप्स महकाएंगे आपकी बगिया!

गुलाब का नाम आते ही हर किसी के चेहरे पर मुस्कान आ जाती है. इसकी खूबसूरत पंखुड़ियां और महक हर बगीचे की शोभा बढ़ा देती हैं. गार्डनिंग का शौक रखने वाले लोग अपने गार्डन में कई तरह की गुलाब की वैरायटी लगाते भी हैं. लेकिन कई बार छोटी-छोटी गलतियों के कारण गुलाब के पौधों में फूल आना बंद हो जाते हैं और कलियां खिल ही नहीं पातीं. ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर ऐसा क्यों होता है और इसे ठीक कैसे करें? तो आज हम आपको बताएंगे कुछ आसान टिप्स, जिन्हें अपनाने से गुलाब के पौधे फिर से फूलों से लद जाएंगे.

■ सही मिट्टी चुनें

सागर के तिलकगंज निवासी शैलेंद्र जैन, जो पिछले 16 सालों से गार्डनिंग कर रहे हैं, बताते हैं कि गुलाब का पौधा लगाने के लिए मिट्टी का उपजाऊ होना बेहद जरूरी है. मिट्टी ऐसी होनी चाहिए जिसमें पानी निकासी की सही व्यवस्था हो. मिट्टी में वर्मी कम्पोस्ट

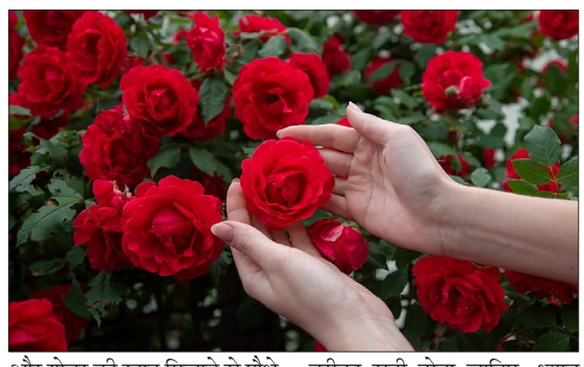

और गोबर की खाद मिलाने से पौधे को पर्याप्त पोषण मिलता है. मिट्टी का pH लेवल 6.0 से 6.5 के बीच होना चाहिए. यही गुलाब की सेहत के लिए सही माना जाता है.

■ धूप और हवा

गुलाब को रोजाना कम से कम 6 से 8 घंटे सीधी धूप की जरूरत होती है. अगर पौधा हवादार जगह पर हो तो यह और भी अच्छा है. साथ ही समय-समय पर मिट्टी को हल्का-सा खोदते रहना चाहिए ताकि पौधे की जड़ों तक हवा और पोषण आसानी से पहुंचे.

■ पानी कब और कैसे दें

गुलाब को रोजाना पानी देना पड़ता है, लेकिन पानी देने का तरीका सही होना चाहिए. ध्यान रखें कि पानी पत्तियों पर न गिरे, वरना फंगल इंफेक्शन हो सकता है. पानी सिर्फ जड़ों तक पहुंचे और मिट्टी हल्की-सी नम रहे. गर्मियों में पौधे को ज्यादा पानी की जरूरत होती है, जबकि सर्दियों में कम पानी देना चाहिए.

■ बीमारियों से बचाव

गुलाब की पत्तियों पर अक्सर सफेद मक्खी और मकड़ी का अटैक हो जाता है. इससे बचाने के लिए महीने में एक बार नीम तेल का छिड़काव करें. चाहें तो हल्के शैंपू का घोल बनाकर स्प्रे भी कर सकते हैं. इससे कीट और फंगस दोनों पर नियंत्रण हो जाएगा और पौधे से अच्छे फूल खिलेंगे.

टूथब्रश छोड़िए, दांतों को चमकाइए दातुन से

सदियों पहले जब न तो टूथब्रश थे और न ही केमिकल युक्त पेस्ट, तब लोग इसी दातुन से ब्रश साफ करते थे. नीम, बबूल और करंज जैसे पेड़ों की टहनियों से अपने दांतों और मसूड़ों की देखभाल करते थे. यह केवल एक सफाई की प्रक्रिया नहीं थी, बल्कि दांतों, मसूड़ों और पूरे मुंह की सेहत के लिए एक सम्पूर्ण आयुर्वेदिक दिनचर्या थी.

■ दातुन से दांत साफ करने के फायदे

-नीम और बबूल की टहनियां कड़वी होती हैं, जिनमें प्राकृतिक रूप से जीवाणुनाशक, एंटीसेप्टिक और कसैले गुण पाए जाते हैं. जब इन्हें चबाया जाता है, तो यह मुंह में एक प्रकार का झाग बनाते हैं,जो बैक्टीरिया को नष्ट करता है. दांतों के चारों ओर जमी गंदगी को साफ करता है.

-जब आप दातुन को चबाते हैं, तो इसके रेशे आपके दांतों के बीच जाकर प्राकृतिक फ्लॉस की तरह काम करते हैं. इससे प्लाक और फूड पार्टिकल्स हटते हैं.

– दातुन की नोक से मसूड़ों की मालिश होती है, जिससे रक्त संचार

बेहतर होता है. मसूड़े मजबूत बनते हैं. नीम और बबूल में मौजूद कड़वे और कसैले रस मसूड़ों से खून आना, सूजन और बदबू जैसी समस्याओं को जड़ से खत्म करते हैं.

-आजकल मार्केट में मिलने वाले टूथपेस्ट में मौजूद फ्लोराइड और अन्य केमिकल लंबे समय तक इस्तेमाल करने से नुकसानदायक हो सकते हैं.दातुन सौ फीसदी प्राकृतिक विकल्प है.

-दातुन से न सिर्फ दांत साफ होते हैं, ये संपूर्ण ओरल हेल्थ को बैलेंस करता है.इसमें मौजूद औषधीय गुण मुंह के बैक्टीरिया को नष्ट करते हैं.लंबे समय तक सांसों को फ्रेश बनाए रखते हैं.

– आज भी आपको छोटे शहरों, गांव-देहात में दातुन का प्रयोग करते दिख जाएंगे. सुबह-सुबह लोग नीम, बबूल की टहनी लेकर चबाते हैं,ताकि दांत अच्छी तरह से साफ हो सके.

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

बुजुर्ग ने नदी में लगा दी छलांग

देवरिया. उत्तर प्रदेश के देवरिया में मंगलवार की सुबह-सुबह एक बुजुर्ग ने छोटी गंडक नदी में छलांग लगा दी। मौके पर पहुंची पुलिस मछुआरों की मदद से उसकी तलाश में जुटी है। देवरिया के कोतवाली क्षेत्र के उपनगर के वार्ड नंबर 13 इचौना पश्चिमी के रहने वाले मुन्ना गुप्ता (उम्र 60 वर्ष) पुत्र रामदास गुप्ता मंगलवार सुबह ग्राम औरंगाबाद के पास छोटी गंडक के नदावर पुल पर पहुंचे। उन्होंने पुल पर अपनी साइकिल खड़ी की और रेलिंग पर मोबाइल रख नदी में छलांग लगा दिया। सुबह-सुबह टहल रहे कुछ लोग उनको कूदते हुए देख दौड़े। लोग शोर मचाते हुए उन्हें रोकने की कोशिश भी की। लेकिन तब तक मुन्ना गुप्ता ने नदी में छलांग लगा दी। यह देखने वाले लोगों ने तत्काल पुलिस को घटना की जानकारी दी।

चार्जिंग के दौरान इलेक्ट्रिक स्कूटर में शॉर्ट सर्किट, आग में झुलसकर बुजुर्ग दंपति की मौत

आगरा. यूपी के आगरा में मंगलवार सुबह एक बड़ा हादसा हो गया। घर में चार्जिंग पर लगी इलेक्ट्रिक स्कूटी में शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। इस हादसे में बुजुर्ग दंपत्ति की झुलसकर मौत हो गई। उधर, सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच पड़ताल में जुट गई। वहीं, इस घटना से परिवार में मातम पसर गया। पुलिस के मुताबिक तड़के करीब पांच बजे मकान की पहली मंजिल पर अचानक आग लग गई। इसमें रह रहे 92 वर्षीय भगवती प्रसाद की मौके पर ही मौत हो गई। उनकी पत्नी 85 वर्षीय उर्मिला देवी को गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी भी मौत हो गई।

धमाकों से दहला आगरा का प्रेम नगर, महिला उछलकर पड़ोसी की छत पर गिरी

आगरा. यूपी के आगरा के शमसाबाद मार्ग स्थित प्रेम नगर मोहल्ला सोमवार की शाम एक के बाद एक हुए दो धमाकों से दहल गया। घर में आग लग गई। सास-बहू गंभीर रूप से जख्मी हो गईं। बहू पहली मंजिल पर मौजूद थी। धमाका इतना तेज था कि उछलकर पड़ोसी के घर की छत पर गिरी। लोहे का मेन गेट उखड़कर गली में गिरा। कमरे के दरवाजे उखड़ गए। सामान अस्त-व्यस्त हो गया। देर रात तक यह साफ नहीं हो सका कि धमाका किसमें हुआ था। गैस सिलेंडर सुरक्षित मिला।

घटना शाम करीब सात बजकर पचास मिनट की है। हादसा 67 वर्षीय भानु प्रताप सिंह के घर में हुआ। उनका बेटा राजेश तोमर ट्रैवल एजेंसी में गाड़ी चलाता है। घर पर जानकी और उनकी बहू साधना मौजूद थे। राजेश का बेटा मनोज व बेटी दीक्षा भी किसी काम से बाहर गए थे। घटना के समय साधना पहली मंजिल पर मौजूद थीं। जानकी बेसमेंट में थीं।

स्थानीय लोगों के अनुसार भानु प्रताप के घर एक के बाद एक दो तेज धमाके हुए। मोहल्ले में लोगों के कान सुन्न पड़ गए। खिड़की दरवाजे हिल गए। भानु प्रताप के घर का लोहे का मेन गेट तेज आवाज के साथ गली में गिरा। अचानक घर से धुंआ निकलते देखा।

जनरल रिजर्वेशन में भी ई-आधार वेरिफिकेशन जरूरी

पहले 15 मिनट सिर्फ आधार OTP से बुक कर सकेंगे टिकट कालाबाजारी कम होगी

नई दिल्ली. इंडियन रेलवे 1 अक्टूबर से ऑनलाइन टिकट बुकिंग सिस्टम में बड़ा बदलाव करने जा रही है। रेल मंत्रालय ने ऐलान किया है कि अब तत्काल टिकट की तरह ही जनरल रिजर्वेशन (सामान्य आरक्षण) टिकट की बुकिंग करते वक्त भी ई-आधार वेरिफिकेशन जरूरी होगा।

रेल मंत्रालय ने नोटिफिकेशन जारी कर इसकी जानकारी दी है। मंत्रालय के अनुसार IRCTC वेबसाइट या एप पर जनरल रिजर्वेशन खुलने के पहले 15 मिनट में टिकट बुक करने के लिए आधार वेरिफिकेशन जरूरी होगा। इससे फर्जी आईडी, एजेंट्स की टिकटों की कालाबाजारी और बॉट्स की बुकिंग पर लगाम लगेगी।

अगर आपका IRCTC अकाउंट पहले से आधार से लिंक है, तो बुकिंग आसान रहेगी। वेटिंग कम होगी, और टिकट्स जल्दी कन्फर्म होंगे। रेलवे के कंप्यूटरीकृत PRS काउंटरों पर जनरल रिजर्वेशन टिकट बुक करने का पुराना शेड्यूल वही रहेगा। साथ ही, रेलवे के अधिकृत टिकटिंग एजेंट्स के लिए पहले दिन टिकट बुकिंग पर 10 मिनट की पाबंदी भी बिना किसी बदलाव के जारी रहेगी।

मदर डेयरी ने दूध के दाम 2 रुपए घटाए

- टोंड मिल्क टेट्रा पैक अब 75 रुपए प्रति लीटर
- पनीर-बटर भी सस्ता; GST कटौती का असर

नई दिल्ली. मदर डेयरी ने मंगलवार (16 सितंबर) को अपने कई डेयरी प्रोडक्ट्स के दामों में कटौती का ऐलान किया है। यह फैसला हाल ही में GST दरों में कटौती के बाद लिया गया। प्रोडक्ट्स की कीमतों में 2 रुपए से लेकर 30 रुपए तक की कटौती की गई है, जो प्रोडक्ट और पैकेजिंग पर निर्भर करती है।

मदर डेयर की कीमतों में यह कटौती 22 सितंबर से लागू होगी। इसमें रोजमर्रा की जरूरतों वाले प्रोडक्ट्स जैसे टोन्ड मिल्क, पनीर, बटर, घी, चीज और प्रीमियम गाय का घी शामिल है।

- दूध और पनीर के नए दाम

मदर डेयरी के अपडेटेड दामों के अनुसार, 1 लीटर UHT टोंड मिल्क (टेट्रा पैक) अब 77 रुपए के बजाय 75 रुपए में मिलेगा। वहीं, 450ml UHT डबल टोंड मिल्क का पाउच 33 रुपए से घटकर 32 रुपए का हो गया है।

पनीर के दाम भी कम किए गए हैं। 200 ग्राम पनीर पैक अब 95 रुपए के बजाय 92 रुपए में और 400 ग्राम पैक 180 रुपए के बजाय 174 रुपए में मिलेगा। मलाई पनीर का 200 ग्राम पैक 100 रुपए से घटकर 97 रुपए का हो गया है।

- घी के दामों में सबसे ज्यादा कटौती

घी के दामों में सबसे ज्यादा कटौती की है। 1 लीटर घी कार्टन पैक और पाउच अब 675 रुपए के बजाय 645 रुपए में मिलेंगे।

1 लीटर घी का टिन 750 रुपए से घटकर 720 रुपए और 500ml गाय का घी जार 380 रुपए से घटकर 365 रुपए में मिलेगा।

आधार ही क्यों, राशन कार्ड और ड्राइविंग लाइसेंस भी हो सकते हैं फर्जी

- बिहार में SIR पर सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट ने आधार कार्ड को लेकर अपने 8 सितंबर के आदेश में बदलाव करने से इनकार कर दिया। अदालत ने चुनाव आयोग को निर्देश दिया था कि वो एक नोटिस जारी करे, जिसमें कहा जाए कि विशेष गहन संशोधन (SIR) के तहत वोटर लिस्ट में नाम जोड़ने के लिए आधार मान्य होगा। जस्टिस सूर्यकांत और जॉयमलाया बागची की बेंच ने कहा कि यह आदेश सिर्फ अंतरिम है और आधार की वैधता का मसला अभी SIR से जुड़े मामले में तय होना बाकी है। कोर्ट ने साफ तौर पर कहा कि राशन कार्ड और ड्राइविंग लाइसेंस जैसे दूसरे दस्तावेज भी उतने ही जाली हो सकते हैं, जितना आधार। ऐसे में सिर्फ आधार को बाहर नहीं किया जा सकता।

एससी ने यह टिप्पणी तब की, जब बीजेपी नेता और वकील अश्विनी कुमार उपाध्याय ने 8 सितंबर के आदेश में बदलाव की मांग की था। उनका कहना था कि आधार को नागरिकता का सबूत नहीं माना जा सकता। इसे चुनाव आयोग की ओर से स्वीकार किए जाने वाले अन्य दस्तावेजों के बराबर नहीं रख सकते।

जैश ने माना-ऑपरेशन सिंदूर में मसूद का परिवार मारा गया

- आतंकियों की रैली में कमांडर बोला- शरीर का कीमा बन गया था

इस्लामाबाद. आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद ने पहली बार माना है कि उसके सरगना मौलाना मसूद अजहर के परिवार के कई सदस्य ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत के हमले में मारे गए। जैश के कमांडर मसूद इलियास कश्मीरी का एक वीडियो वायरल हो रहा है। इस वीडियो में वह कहता है कि 7 मई को बहावलपुर में भारत की कार्रवाई में अजहर के परिवार के लोगों के टुकड़े-टुकड़े हो गए, उनका कीमा बन गया था।

मसूद के परिवार के 10 सदस्य मारे गए

बहावलपुर में हुए भारतीय हमले में मसूद के परिवार के 10 लोग मारे गए थे। इसके अलावा 4 सहयोगियों की भी मौत हुई थी। मरने वालों में मसूद की बड़ी बहन और उसका पति, मसूद का भतीजा और उसकी पत्नी, मसूद की एक भतीजी और उसके पांच बच्चे शामिल हैं। इसके अलावा मसूद के 4 सहयोगी भी मारे गए थे। हमले के वक्त मसूद मौके पर नहीं था, इस वजह से उसकी जान बच गई थी। बीबीसी उर्दू की रिपोर्ट के मुताबिक आतंकी मसूद ने परिवार के लोगों के मरने के बाद एक बयान भी जारी किया था। इसमें उसने कहा था कि मैं भी मर जाता तो खुशनसीब होता।

मसूद अजहर कैसे बच गया और अभी कहां है?

मसूद अजहर सालों से बहावलपुर के चौक आजम इलाके के मरकज सुभानल्लाह नाम के कैंपस में ही रह रहा था। साल 2011 तक इस कैंपस में सिर्फ एक मस्जिद थी, उसके बाद आतंकियों की ट्रेनिंग और बाकी एक्टिविटीज के लिए कैंपस में इमारतें और बाकी स्ट्रक्चर बढ़ता चला गया। सैटेलाइट इमेजेज के आधार पर इसका पूरा इलाका 18 एकड़ बताया जाता है।

'काश सारे मामले इतनी तेजी से निपटते'

- SC से वनतारा केस खत्म होने पर कांग्रेस का तंज

नई दिल्ली. वनतारा वन्यजीव अभयारण्य के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में दायर जनहित याचिका के निपटारे को लेकर कांग्रेस ने तंज कसा है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने उच्चतम न्यायालय की ओर से गठित एसआईटी द्वारा वनतारा प्राणी बचाव एवं पुनर्वास केंद्र को क्लीनचिट दिए जाने को लेकर कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि काश 'सीलबंद लिफाफा' वाली व्यवस्था के बिना इतनी तेजी से सभी मामलों का निस्तारण कर लिया जाता। वनतारा से जुड़े मामलों की जांच कर रहे उच्चतम न्यायालय द्वारा गठित एसआईटी ने गुजरात के जामनगर स्थित इस प्राणी बचाव एवं पुनर्वास केंद्र को 'क्लीन चिट' दे दी है।

इस रिपोर्ट को लेकर बेंच ने सोमवार को कहा था कि जानकारी मिली है कि वनतारा में जानवरों को रखने के लिए सभी नियमों का पालन किया गया। वहां लाए गए जानवरों के कानून के अनुसार ही खरीदा गया और उनका रखरखाव चल रहा है। ऐसे में किसी भी तरह

का सवाल उठाना ठीक नहीं है। न्यायमूर्ति पंकज मिथल और न्यायमूर्ति पी बी वराले की पीठ ने रिपोर्ट को रिकॉर्ड में लिया और कहा कि अधिकारियों ने वनतारा में अनुपालन और नियामक उपायों को लेकर संतोष व्यक्त किया है। पूर्व पर्यावरण मंत्री रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'जब वह तय कर ले तो भारतीय न्यायिक प्रणाली सबसे तेज गति से चलती है, जबकि देरी उसकी पहचान बन गई है।'

उन्होंने इस बात का उल्लेख किया, '25 अगस्त, 2025 को उच्चतम न्यायालय ने जामनगर में रिलायंस फाउंडेशन द्वारा स्थापित वन्यजीव बचाव और पुनर्वास केंद्र, वनतारा के मामलों की एक विशेष जांच दल (एसआईटी) से जांच कराए जाने का आदेश दिया। चार प्रतिष्ठित सदस्यों वाली एसआईटी को 12 सितंबर, 2025 तक अपनी रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया गया था।'

उन्होंने कहा, 'एसआईटी ने अपनी रिपोर्ट 'सीलबंद लिफाफे' में पेश की। 15 सितंबर, 2025 को उच्चतम न्यायालय ने इसकी सिफारिशों को स्वीकार कर लिया और 7 अगस्त, 2025 को दायर एक जनहित याचिका द्वारा शुरू किए गए मामले को बंद कर दिया।' रमेश ने कटाक्ष किया कि काश सभी मामलों को रहस्यमय 'सीलबंद लिफाफा' वाली व्यवस्था के बिना इतनी तेजी से और स्पष्ट रूप से निपटा दिया जाता।

कौन है असम की महिला अधिकारी नुपूर बोरा!

- 6 साल में किए बड़े कांड;
- घर से मिले करोड़ों

गुवाहाटी. असम की सिविल सेवा अधिकारी नुपूर बोरा आय से अधिक संपत्ति रखने के मामले में गिरफ्तार हुई हैं। उनके पास से करोड़ों रुपये के जेवर और नकदी बरामद हुई है। राज्य के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने बताया है कि जमीन संबंधी विवादित लेनदेन के चलते उनपर 6 महीने से कानूनी नजर रखी जा रही थी। उनके आरोप हैं कि बोरा ने रुपयों के लिए हिंदुओं की जमीन संदिग्ध लोगों को दे दी।

कौन हैं नुपूर बोरा

31 मार्च 1989 में जन्मीं बोरा गोलाघाट जिले से आती हैं। वह एसीएस अधिकारी हैं और उन्होंने साल 2019 में सेवा शुरू की थी। फिलहाल, वह कामरूप जिले में गोरोईमड़ी में सर्किल ऑफिर थीं। उन्होंने गुवाहाटी यूनिवर्सिटी से अंग्रेजी साहित्य में बैचलर की डिग्री ली है। साथ ही उन्होंने कॉटन कॉलेज में पढ़ाई की है। सिविल सर्विस में आने से पहले बोरा लेक्चरर भी रह चुकी हैं।

उन्होंने प्रशासनिक करियर की शुरुआत कार्बी अंगलोंग में सहायक आयुक्त के तौर पर की थी। वह मार्च 2019 से जून 2023 तक इस पद पर रहीं। जून 2023 में उन्हें बरपेटा में सर्किल ऑफिसर के तौर पर नियुक्त किया गया। इसके बाद उनका तबादला कामरूप किया गया था।

क्या हैं आरोप...?

आरोप हैं कि महज 6 साल की सेवा में बोरा ने कथित तौर पर काफी संपत्ति बना ली थी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, बोरा के गुवाहाटी आवास से 92 लाख रुपये नकद और करीब 2 करोड़ रुपये के जेवर मिले थे। इसके अलावा तीन और ठिकानों पर छापेमारी की गई थी। एसपी रोज कलीता का कहना है कि बोरा के खिलाफ कई गंभीर आरोप थे और जांच चल रही है। उन्होंने कहा, 'जांच पूरी होने तक हम और कैश और अन्य चीजें बरामद कर सकते हैं।' KMSS यानी कृषक मुक्ति संग्राम समिति की तरफ से बोरा के खिलाफ शिकायत की गई थी कि जमीन से जुड़ी सेवाओं के लिए उन्होंने रेट कार्ड तैयार कर रखा है।

लंबे समय से कार्यरत कर्मियों को करना होगा परमानेंट : HC

मुंबई. बॉम्बे हाई कोर्ट ने अपने हालिया एक फैसले में कहा है कि अगर किसी नियोक्ता ने किसी कर्मचारी से लंबे समय तक सेवा ली है और पद स्वीकृत नहीं होने की वजह से उसकी नौकरी परमानेंट नहीं की जा रही है तो यह नहीं चलेगा बल्कि उसे हर हाल में स्थायी करना ही होगा। हाई कोर्ट ने अपने आदेश में लिखा कि निरंतर सेवा की अपेक्षित अवधि पूरी कर चुके कर्मचारियों को केवल इस आधार पर स्थायी दर्जा देने से इनकार नहीं किया जा सकता कि स्वीकृत पद उपलब्ध नहीं हैं।

इसके साथ ही हाई कोर्ट ने जोर देकर कहा कि अगर इस तरह से इनकार किया जाता है तो यह कर्मचारियों के निरंतर शोषण के समान होगा, जो कल्याणकारी कानूनों और सामाजिक न्याय के प्रावधानों के खिलाफ है। जस्टिस

मिलिंद एन. जाधव ने संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान में कार्यरत 22 वन मजदूरों की रिट याचिका पर यह फैसला सुनाया है।

- जोखिम भरी नौकरी कर रहे थे कर्मचारी

ये मजदूर 2003 से ही संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान में वन्य जीवों की सेवा में चौकीदार, माली, रसोइया और पिंजरों की देखभाल जैसे पदों पर काम कर रहे थे। उनकी ड्यूटी जोखिम भरी थी क्योंकि उनके कामों में बाघों, शेरों और तेंदुओं को खाना खिलाना, दवाइयाँ देना, पिंजरों की सफाई करनी और उद्यान में गश्त और आग पर नियंत्रण जैसे उच्च जोखिम वाले कार्य शामिल थे।

हालांकि, ये लोग पिछले 22 साल से वहां काम कर रहे थे बावजूद इसके औद्योगिक न्यायालय ने उनकी स्थायी नौकरी के दावे को इस आधार पर खारिज कर दिया था कि वहां कोई स्वीकृत पद उपलब्ध नहीं है।

भारत-पाकिस्तान मैच विवाद

ICC बोली- मैच रेफरी नहीं हटाएंगे

- टीम इंडिया ने PAK खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाया था
- PCB का रेफरी पर आरोप

भारत-पाकिस्तान के बीच एशिया कप मैच में भारतीय खिलाड़ियों ने पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाया। सूत्रों के मुताबिक भारतीय टीम ने यह फैसला अचानक नहीं लिया। इसमें BCCI और सरकार दोनों की सहमति थी कि मैच तो खेलेंगे, लेकिन दोस्ताना माहौल नहीं दिखेगा। रविवार को खेले गए इस मैच में भारत ने पाकिस्तान को 7 विकेट से हराया था।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने नो हैंडशेक मामले की शिकायत ICC से की थी और मैच रेफरी को हटाने की मांग की है। ICC ने इस मांग को खारिज कर दिया है।

पूरे टूर्नामेंट में हाथ नहीं मिलाएगी टीम इंडिया

पाकिस्तान के खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाने का यह सिलसिला पूरे टूर्नामेंट में जारी रहेगा। खिलाड़ियों, BCCI और सरकार के बीच इस पर आपसी सहमति है। BCCI की ओर से ऑफिशियल रिएक्शन अभी नहीं आया है, लेकिन सूत्रों के मुताबिक अगर भारतीय टीम 28 सितंबर को होने वाले फाइनल में पहुंचती है और जीतती है, तो वह पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के चेयरमैन मोहसिन नकवी से ट्रॉफी नहीं लेगी। नकवी इस समय एशियन क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) के अध्यक्ष भी हैं।

भारत-पाकिस्तान 21 सितंबर को फिर भिड़ सकते हैं

21 सितंबर को दोनों टीमें सुपर-4 राउंड में दोबारा आमने-सामने हो सकती हैं और वहां भी भारत का यही रुख रहेगा। हालांकि, इसके लिए पाकिस्तान को यूएई को हराना होगा।

इजरायली धमकी का ऐसा खौफ, बस निकल भागने की होड़

- एक रात में गाजा छोड़ गए 20 हजार

गाजा. कतर में 50 मुस्लिम देशों के नेताओं की मीटिंग चल रही है। इस बीच गाजा में कोहराम मचा है। गुजरी रात में करीब 20 हजार लोगों ने गाजा से पलायन कर लिया है। बड़ी संख्या में लोगों ने अपने बिस्तर और जरूरी सामान बांधकर पलायन कर लिया है। कोई पैदल तो कोई गाड़ी में सामान रखकर बस निकल जाने की होड़ में है। इजरायल ने गाजा में सैनिकों की संख्या बढ़ा दी है और उसका कहना है कि अब जमीनी हमला करेगा। यही नहीं सुबह से अब तक

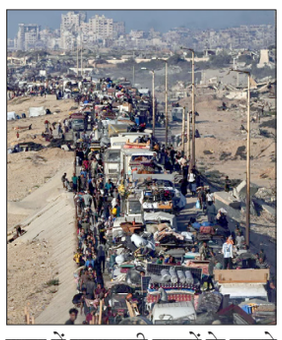

गाजा में इजरायली हमलों के चलते 28 लोगों के मारे जाने की खबर है। इजरायल की ओर से तेजी से जारी हमलों के चलते गाजा में खौफ का आलम है।

यही नहीं संकट इसलिए भी बढ़ रहा है क्योंकि निकट भविष्य में हमास और इजरायल के बीच सीजफायर की कोई उम्मीद नहीं दिख रही। इसके अलावा कतर पर इजरायल के हमले ने स्थिति और खराब की है। फिलहाल तो दोहा में इजरायल के खिलाफ प्रस्ताव लाने पर मंथन हो रहा है। इसके अलावा मुसलमान देशों की एकता को भी इस मंच से दुनिया को दिखाने की कोशिश हो रही है। इसके बाद भी इजरायल किसी तरह से दबने को तैयार नहीं है। नेतन्याहू का कहना है कि वह गाजा में सक्रिय एक-एक आतंकवादी को खत्म करेंगे। बीते सप्ताह ही इजरायल ने चेतावनी दी थी कि गाजा में रहने वाले लोग यहां से निकल जाएं।

गाजा में कुल 10 लाख से ज्यादा फिलिस्तीनी रहते हैं। इनमें से कई लाख लोग निकल चुके हैं। दरअसल इजरायल ने चेतावनी दी है कि गाजा में रहने वाले लोग यहां के दक्षिणी हिस्से में जाकर शरण ले सकते हैं। लेकिन यहां रह रहे लोगों में इतना खौफ है कि वे किसी भी इलाके को सुरक्षित नहीं मानते। इस बीच खबर है कि इजरायल ने अपेक्षाकृत शांतिपूर्ण इलाके वेस्ट बैंक में भी हमले तेज कर दिए हैं। इसके अलावा वेस्ट बैंक के तुबास, नाबलुस और उत्तरी वेस्ट बैंक में इजरायल के हमले जारी हैं।

16000 विदेशियों को भारत से निकालने की तैयारी

नई दिल्ली. भारत सरकार ने मादक पदार्थों की तस्करी पर अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई के तहत करीब 16,000 विदेशी नागरिकों को भारत से निर्वासित करने की तैयारी कर ली है। ये सभी विदेशी नागरिक फिलहाल विभिन्न राज्यों की हिरासत में हैं या डिटेंशन केंद्रों में बंद हैं। गृह मंत्रालय के सूत्रों के अनुसार, यह कार्रवाई नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) की रिपोर्टों पर आधारित है, जिसका उद्देश्य देश में सक्रिय ड्रग नेटवर्क को तोड़ना और 'ड्रग-फ्री इंडिया' अभियान को मजबूत बनाना है।

सूत्रों के मुताबिक, बांग्लादेश, फिलीपींस, म्यांमार, मलेशिया, घाना और नाइजीरिया जैसे देशों के नागरिक इस सूची में शामिल हैं। इन लोगों पर मादक पदार्थों की तस्करी, परिवहन और संबंधित अन्य आपराधिक गतिविधियों में शामिल होने के गंभीर आरोप हैं। यह कार्रवाई नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की उस रिपोर्ट के आधार पर की जा रही है, जिसमें इन विदेशी नागरिकों की संलिप्तता उजागर की गई थी।

ठाणे एवं उल्हासनगर में निरंकारी महिला संत समागम

ठाणे/कल्याण. सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज के दिव्य मार्गदर्शन के नुसार महिलाओं का सक्षमीकरण एवं आत्मिक उन्नति हेतु संत निरंकारी मिशन के तत्वावधान में ठाणे-उल्हासनगर में क्षेत्रस्तरिय निरंकारी महिला संत समागमों का आयोजन किया गया. इसके अतिरिक्त मुंबई महानगर प्रदेश में चेंबूर, वाशी (नवी मुंबई) एवं भायंदर आदि स्थानों पर भी महिला संत समागमों का आयोजन किया गया.

वागले इस्टेट, ठाणे (पश्चिम) स्थित सत्संग भवन में शनिवार 13 सितंबर को आयोजित महिला संत समागम में ठाणे शहर, कलवा, मुंब्रा एवं दिवा आदी इलाकों से करीब 1500 महिलाओं ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया.

इस महिला संत समागम में अहमदाबाद से विशेष रुप से आयी निरंकारी प्रचारिका आदरणीय बहन सीमा रामचंदानी ने मुख्य मंच से अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि महिलाओं ने केवल अपने शरीर को सजाने की तरफ ध्यान न देते हुए अपने अंतःकरण को सुंदर, पावन व पवित्र बनाने की ओर जागरुक होने की नितांत आवश्यकता है. बाहरी सुंदरता के लिए विभिन्न फूलों एवं प्रसाधनों का उपयोग किया जाता है लेकिन आंतरिक सुंदरता आत्मिक प्रेम एवं भक्तिभाव में निहित है. जब हमारे हृदय में सत्य, भक्ती व प्रेम निवास हो जायेगा तभी वास्तविकता में उसे व्यवहारिक अध्यात्म कहा जा सकता है. सच्चा प्रभू प्रेमी भक्त सतगुरु की कृपा से प्राप्त ब्रह्मज्ञान द्वारा हर समय हर स्थान पर सृष्टि के कण कण में, पत्ते पत्ते में, डाली डाली में एवं घट-घट के अंदर एक निराकार ईश्वर का दर्शन करता है. जीवन में सतगुरु की सिखलाई अपनाने से ही सच्चा आनंद प्राप्त हो सकता है. यह किसी बाजार में उपलब्ध नहीं होता. इस अमूल्य आनंद का खजाना सतगुरुने हमारी झोलियों में डाला है इसलिए हमें सदैव उनके प्रति कृतज्ञता का भाव धारण करना जरुरी है.

वहीं संत निरंकारी मिशन के डोंबिवली ज़ोन के अंतर्गत संत निरंकारी सत्संग भवन, शहद (उल्हासनगर) में रविवार 14 सितंबर को क्षेत्रस्तरिय निरंकारी महिला संत समागम का आयोजन किया गया. इस समागम में डोंबिवली, कल्याण, विठ्ठलवाडी, उल्हासनगर, अंबरनाथ, बदलापूर, टिटवाला, वाशिंद, शहापूर, कसारा, भिवंडी, मुरबाड आदी इलाकों से हजारों की संख्या में महिला श्रद्धालुओं ने भाग लिया. इस महिला संत समागम के लिए पुणे से विशेष रुप में आयी निरंकारी प्रचारिका आदरणीय बहन बिना अडवाणी ने मुख्य मंच से अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि आज नारी प्रत्येक क्षेत्र में अग्रसर है. पुरुषों के कंधे से कंधा मिला कर काम कर रही हैं. आज सतगुरु माता जी की कृपा से हमें ब्रह्मज्ञान प्राप्त हुआ है जिससे सत्य-असत्य, सही-गलत आदि की पहचान हुई है.

नारी के माँ, बहन, लडकी, बहू इत्यादि अनेक सुंदर रूप हैं. हर भूमिका में हमने अपने कर्तव्यों को बड़ी लगन, प्रेम एवं निष्ठा से निभाना चाहिए. सतगुरू माता सुदीक्षाजी महाराज की असीम कृपा एवं जगतमाता बुधवंती जी, निरंकारी राजमाता कुलवंत कौर जी, सतगुरु माता सविंदर हरदेव जी इनके तपत्याग से परिपूर्ण एवं आदर्श जीवन हमें अपना जीवन उज्ज्वल बनाने के लिए महान प्रेरणास्रोत हैं. इस महिला संत समागम में महिला वक्ताओं ने मराठी, हिंदी, अंग्रेजी, पंजाबी, बंजारा, भोजपुरी, सिंधी आदी भाषाओं में गीत, विचार, कविता इत्यादि विधाओं से निरंकारी मिशन का संदेश प्रसारित किया.

संक्षेप...

शहापुर में अपहरण के बाद हत्या

ठाणे. जिले के शहापुर तालुका के कुनकाबे-प्रधानपाड़ा इलाके में ज़मीन विवाद को लेकर एक व्यक्ति का अपहरण कर उसकी हत्या का सनसनी खेज मामला सामने आया है. पुलिस ने इस मामले में एक संदिग्ध को हिरासत में लिया है और बाकी तीन आरोपियों की तलाश जारी है. बताया गया कि रामदास चंद्र गोरखणे (उम्र 47, निवासी प्रधानपाड़ा) को सोमवार की शाम कुछ लोग बोलेरो कार में ले गए. देर रात तक वापस न लौटने पर उनके परिजनों ने उनकी तलाश की और उन्हें मुंबई-नासिक राजमार्ग पर कुकंबा रोड के पास गंभीर रूप से घायल अवस्था में पाया. अस्पताल में भर्ती कराने के बाद डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया.

भिवंडी विकास प्रारूप को लेकर मची रार

■ **विधायक अबू आसिम आजमी ने किया डीपी रद्द की मांग**

भिवंडी. भिवंडी मनपा द्वारा प्रकाशित प्रारूप विकास योजना (DP) से शहर विकास पर गंभीर प्रश्न खड़ा हो गया है. जागरूक नागरिकों का आरोप है कि, विकास योजना वास्तव में शहर के विकास के लिए बनाई गई है अथवा चुनिंदा बिल्डर्स के फायदे की खातिर.योजना में ऐसे अनेक बदलाव किए गए हैं जो सीधे-सीधे बिल्डर्स लॉबी को लाभ पहुंचाते हैं और आम नागरिकों, व्यापारियों व धार्मिक स्थलों के अधिकारों की अनदेखी करते हैं.विधायक अबू आसिम आजमी ने उप मुख्यमंत्री एवं नगर विकास मंत्री एकनाथ शिंदे को लिखितपत्र देकर जनहित में डीपी को रद्द किए जाने की मांग की है.

गौरतलब हो कि, 2016 से भिवंडी को मेट्रो प्रोजेक्ट-5 से जोड़ने की प्रक्रिया शुरू हुई थी. कल्याण मार्ग के तमाम मकान मालिकों, दुकानदारों ने मार्ग की तोड़फोड़ से भारी नुकसान होने की आशंका से सरकार को अवगत कराते हुए सड़क विस्तारीकरण नहीं किए जाने की गुहार लगाई थी. 2021 में एकनाथ शिंदे ने मेट्रो को भूमिगत करने का निर्णय लिया और इस फैसले का नागरिकों ने स्वागत भी किया.आश्चर्यजनक है कि, 12 अगस्त 2025 को प्रकाशित DP में एक बार फिर कल्याण रोड के दोनों तरफ 20-20 फीट सड़क का चौड़ीकरण शामिल करने से जनता 'बिल्डर्स डेवलपमेंट प्लान' कहने पर विवश हो गई है.

डीपी में फेरबदल चौंकाने वाले

शहर के जागरूक नागरिकों का आरोप है कि विकास योजना में अनेक आरक्षण रद्द कर उन्हें बिल्डर्स के हित में बदला गया है .मनपा प्रशासन ने शहर विकास से जुड़े कई आरक्षण को बदलकर जेबें भरी और शहर विकास प्रारूप की धज्जियां उड़ाई हैं . घोषित डीपी प्रारूप में ज़ीनत कंपाउंड (कणेरी) : पार्किंग ज़ोन (आरक्षण 127) को बदलकर आवासीय ज़ोन बना दिया गया . टेमघर (आरक्षण 259) ट्रक टर्मिनल हटाकर आवासीय ज़ोन व आंशिक बस डिपो .दांडेकर कंपनी–रिलायंस की जमीन से इंडस्ट्रियल ज़ोन हटाकर कमर्शियल ज़ोन किया गया .भादवड (M58) गोदरेज प्रोजेक्ट के बीच निर्मित STP को ग्रीन ज़ोन में बदल दिया गया .राजीव गांधी चौक से VP नाका तक सरकारी दफ्तर, अस्पताल और बस डिपो मार्ग के चौड़ीकरण को सीमित किया गया ताकि नई इमारतें बच सकें .

हजारों आपत्तियां बेअसर

भिवंडी कल्याण रोड निवासी 6,222 नागरिकों ने डीपी संबंधित लिखित आपत्तियां दाखिल की थी. सुनवाई के समय 1498 लोग व्यक्तिगत रूप से उपस्थित भी हुए लेकिन आपत्तियों को अनदेखा कर दिया गया. जिन आरक्षित भूखंडों से बिल्डर्स लॉबी को फायदा होता था, वहां किसी ने आपत्ति भी नहीं उठाई और चुपचाप बदलाव कर दिए गए.

मंशा पर प्रश्नचिन्ह

राज्य सरकार ने कल्याण रोड को बचाने के लिए 1700 करोड़ रुपये खर्च कर मेट्रो को भूमिगत करने का निर्णय लिया बावजूद भिवंडी मनपा कल्याण रोड को तोड़ने की योजना क्यों बना रही है? क्या यह सीधा-सीधा करदाताओं के पैसे की बर्बादी और नागरिकों के साथ धोखा नहीं है ? जनप्रतिनिधियों के कहने पर मनपा सहित अन्य मनपसंद प्लाट से पूर्व आरक्षण निकालकर उन्हें गिफ्ट देकर खुश किए जाने की अटकलें शहर में फैली हैं.

जनप्रतिनिधियों के साथ पूर्व प्रशासक,आयुक्त अजय वैद्य द्वारा बिल्डर लॉबी के साथ मिलकर डीपी योजना बनाये जाने और करोड़ों की कमाई की चर्चा शहर में फैली है. कई प्रोजेक्ट्स में पूर्व प्रशासक,आयुक्त वैद्य और बिल्डर्स के साथ गुप्त समझौते की बात का खुलासा हुआ है.

चिटफंड घोटाला में 36 लोगों से 1 करोड़ 48 लाख की ठगी

नवी मुंबई. नवी मुंबई में एक चिटफंड घोटाला सामने आया है, जिसमें निवेश राशि पर 9% ब्याज का वादा करके 36 लोगों से 1 करोड़ 48 लाख 50 हज़ार 960 रुपये की ठगी की गई. इस मामले में छह लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। ऐरोली में सुप्रिया पवार उर्फ सुप्रिया मेहर, सागर मेहर, सुभाष पवार, प्रशांत पवार, नितिम पवार और तृप्ति पवार ने मिलकर एक चिटफंड कंपनी शुरू की थी.

इनमें से सुप्रिया पवार उर्फ सुप्रिया मेहर ने अन्य संदिग्ध आरोपियों की मदद से यह कंपनी शुरू की थी. इस चिटफंड में कम से कम 50 हजार रुपये निवेश करें और आपको 45 दिनों में 9 से 12% का गारंटीड रिटर्न मिलेगा. इस तरह के विज्ञापन चलाने के बाद 36 लोग इसके झांसे में आ गए और उनके साथ निवेश किया.

भिवंडी वार्ड संरचना पर 84 आपत्तियां दर्ज

■ **18 सितंबर गुरुवार को होगी सुनवाई**

भिवंडी. स्थानीय मनपा निकाय चुनाव नजदीक आने के साथ ही भिवंडी मनपा की वार्ड संरचना को नया स्वरूप दिया गया है. वार्ड संरचना के संबंध में आपत्तियां मांगने पर नागरिकों द्वारा मनपा चुनाव विभाग में 84 आपत्तियां दर्ज की गई हैं. भिवंडी मनपा के आम चुनाव के लिए वार्ड संरचना 2011 की जनगणना के जनसंख्या अनुपात के आधार पर बनाई गई है. 3 सितंबर को घोषित वार्ड संरचना में कुल 23 वार्डों में 90 सदस्य होंगे. गौरतलब है कि 2017 में बनी वार्ड संरचना को बरकरार रखते हुए, कुछ जगहों पर सीमांकन में नामों में परिवर्तन हुआ है. 15 सितंबर तक आपत्ति अवधि के दौरान इस वार्ड संरचना के खिलाफ 84 आपत्तियां दर्ज की गई हैं.चुनाव आयोग के निर्देशानुसार, ठाणे के जिला कलेक्टर ने मीरा-भायंदर मनपा प्रशासक,आयुक्त राधाबिनोद शर्मा को वार्ड आपत्तियों की सुनवाई के लिए नियुक्त किया है.आपत्तियों की सुनवाई गुरुवार, 18 सितंबर को सुबह 12 बजे भिवंडी मनपा आयुक्त सभाकक्ष में होगी.भिवंडी मनपा उपायुक्त विक्रम दराडे ने आपत्तिकर्ताओं से उचित दस्तावेजों के साथ निर्धारित समय पर उपस्थित होने की अपील की है.

लापता 33 वर्षीय नौसेना अधिकारी का शव बरामद

मुंबई. माथेरान के पास भिवपुरी-गरबेट ट्रेक पर निकलने के बाद 7 सितंबर से लापता 33 वर्षीय नौसेना अधिकारी सूरजसिंह अमरपालसिंह चौहान का शव बरामद किया गया। नेरल पुलिस ने पुष्टि की है कि शव कर्जत और नेरल के बीच, सतोबा मंदिर क्षेत्र के आसपास, पाली भूतवाली बांध के पास जंगली इलाके में देखा गया था। शव मंदिर के पीछे एक खाई में लगभग 50 फीट गहराई में मिला। सहायक पुलिस निरीक्षक शिवाजी धावले के मार्गदर्शन में, नेरल पुलिस ने सह्याद्री बचाव दल के साथ मिलकर घने इलाके में एक चुनौतीपूर्ण अभियान के बाद शव को बरामद किया। उन्होंने 27 मई को कोलाबा कार्यालय में कार्यभार संभाला था। पुलिस ने मामले में एक आकस्मिक मृत्यु रिपोर्ट (एडीआर) दर्ज की है और मौत के सही कारण का पता लगाने के लिए शव को पोस्टमॉर्टम के लिए मुंबई के जेजे अस्पताल भेज दिया है। धावले ने कहा, या तो वह फिसलकर गिर गए होंगे या फिर सांप के काटने से मौत हुई होगी।

भाजपा नेता बिठोबा उर्फ बिल्ला नाईक के खिलाफ आर्म्स एक्ट

भिवंडी. भाजपा नेता बिठोबा उर्फ बिल्ला नाईक द्वारा नारपोली निवासी नरेश रामप्रसाद दायमा नामक व्यक्ति को पेट में पिस्टल लगाकर साथियों द्वारा धारदार हथियार से शरीर में कई जगहों पर प्रहार कर बुरी तरह घायल करने का सनसनीखेज मामला प्रकाश में आया है. शहर पुलिस स्टेशन ने आर्म्स एक्ट और मारपीट के तहत मामला दाखिल किया है.घटना को अंजाम देकर भाजपा नेता बिठोबा उर्फ बिल्ला नाईक सहित घटना में लिप्त राहुल डोलस,सचिन आरकड़े, बाबूदेवी शेट्टी आदि पुलिस के डर से फरार हो गए हैं. फरार आरोपियों की तलाश पुलिस कर रही है.मारपीट से गंभीर रूप से घायल दायमा उपचार की खातिर अस्पताल एडमिट है.

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, भाजपा नेता बिठोबा उर्फ बिल्ला नाईक ने शनिवार रात्रि करीब 3 बजे श्रीरंग नगर स्थित मानसरोवर मित्र मंडल कार्यालय से मानसरोवर निवासी नरेश दायमा को पिस्तौल से धमकाया और उसके 3 साथियों ने दायमा को पकड़कर धारदार हथियार से पेट,गला,आंख के नीचे घातक प्रहार किया. घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस उपायुक्त शशिकांत बारोटे सहित शहर पुलिस स्टेशन वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक विक्रम मोहिते सहित अन्य पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गए. गंभीर रूप से घायल दायमा को अस्पताल एडमिट कराया गया है.पुलिस सूत्रों की माने तो, झगड़ा पैसे के लेनदेन का बताया जाता है.पुलिस आर्म्स एक्ट और मारपीट का मामला दाखिल कर विवेचना कर रही है.

बदलापुर में गोलीबारी का फरार आरोपी केडीएमसी कर्मचारी पर हमले में शामिल

कल्याण. बदलापुर में गोलीबारी के एक मामले में फरार चल रहा सरगना अपराधी अप्पा दांडे एक बार फिर सुर्खियों में है। अप्पा दांडे ने अपने पांच साथियों के साथ मिलकर कल्याण-पूर्व के चिंचपाड़ा इलाके में केडीएमसी कर्मचारी दीपक म्हात्रे पर प्राणघातक हमला किया। घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है।

जानकारी के अनुसार, दीपक म्हात्रे रस्ते से गुजर रहे थे, तभी छह हमलावरों ने उन पर कोयते से हमला कर दिया। इस हमले में वे गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें कल्याण-पूर्व के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

परिवार का आरोप है कि दीपक म्हात्रे का बोडके नामक व्यक्ति से जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। इसी विवाद के चलते अप्पा दांडे को सुपारी देकर हमला करवाया गया। गौरतलब है कि अप्पा दांडे पहले से ही बदलापुर में भाजपा विधायक किसन कथोरे के घर के पास एक अन्य अपराधी पर हुई गोलीबारी के मामले में फरार चल रहा है।

भिवंडी मनपा में महापौर बनाने के लिए सभी एकजुट होकर करें काम -राजेश शर्मा

भिवंडी. भिवंडी शहर जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय पर भिवंडी कांग्रेस पार्टी के नवनियुक्त प्रभारी राजेश शर्मा का सत्कार कांग्रेस जिलाध्यक्ष रशीद ताहिर मोमिन द्वारा किया गया. अपने संबोधन में राजेश शर्मा ने सभी कांग्रेस जनों को आपसी मनमुटाव भुलाकर पार्टी की मजबूती हेतु एकजुट होकर मनपा चुनाव जीत कर कांग्रेस का महापौर बनाने पर जोर दिया.

उक्त अवसर पर भिवंडी लोकसभा पूर्व सांसद सुरेश टावरे, महाराष्ट्र लघु उद्योग विकास महामंडल पूर्व अध्यक्ष मु. तारिक फारूकी,प्रदेश उपाध्यक्ष रानी अग्रवाल,प्रदेश जनरल सेक्रेट्री डा.नूरुद्दीन निजामुद्दीन अंसारी,मु. आबिद मुंसफ, सचिव छगन पाटिल, पीसीसी सदस्य अब्दुल सलाम शेख, सोहेल खान, महिलाध्यक्षा रुखसाना कुरेशी, महिला प्रदेश सचिव रेहाना अंसारी सहित भारी संख्या में पदाधिकारी, कार्यकर्ता उपस्थित थे.

महिला व बच्चों के लिए स्वास्थ्य जाँच शिविर का आयोजन

■ **प्रधानमंत्री मोदी के उद्घाटन भाषण का सीधा प्रसारण होगा**

ठाणे. स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा क्रियान्वित 'स्वस्थ महिलाएँ, सशक्त परिवार' अभियान के अंतर्गत मनपा की ओर से महिलाओं एवं बच्चों के लिए विभिन्न स्वास्थ्य जाँच शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। 17 सितंबर से 2 अक्टूबर, 2025 तक चलने वाला यह अभियान ठाणे में बुधवार 17 सितंबर को सुबह 11 बजे वर्तकनगर स्थित लोकमान्य तिलक नर्सिंग होम (कोरस अस्पताल) से शुरू होगा।महिलाओं का स्वास्थ्य और सशक्तिकरण हमारे परिवार, समाज और अंततः पूरे राष्ट्र की प्रगति का केंद्रबिंदु है। इसी के अनुरूप स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने 'स्वस्थ नारी सशक्त परिवार' अभियान की योजना बनाई है। इसका शुभारंभ बुधवार, 17 सितंबर को मध्य प्रदेश के इंदौर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे। इस समारोह का लोकमान्य तिलक नर्सिंग होम, कोरस अस्पताल में सीधा प्रसारण किया जाएगा और इसमें जनप्रतिनिधि, डॉक्टर, स्वास्थ्य कार्यकर्ता आदि शामिल होंगे।

नगरपालिका शहरी स्वास्थ्य केंद्रों पर शिविर

'स्वस्थ नारी सशक्त परिवार' अभियान ठाणे मनपा के सभी शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में लागू किया जाएगा। इसके अंतर्गत आयोजित स्वास्थ्य शिविरों में महिलाओं को विभिन्न स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान की जाएँगी।

महिलाओं और बच्चों से लाभ उठाने की अपील

स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान के अंतर्गत आयोजित स्वास्थ्य शिविर से शहर की सभी महिलाओं, साथ ही गर्भवती माताओं और सभी छोटे बच्चों को लाभ होगा और ठाणे मनपा के जन स्वास्थ्य विभाग के माध्यम से उनसे इसका अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की गई है।

■ **इसकी जाँच होगी, परामर्श दिया जाएगा**

उच्च रक्तचाप, मधुमेह, कैंसर, हृदय रोग आदि गैर-संचारी रोगों के लिए जाँच शिविर, नेत्र जाँच, दंत जाँच, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य शिविर, महिलाओं और बच्चों के लिए पोषण जागरूकता सत्र, आयुष और योग शिविर, क्षय रोग जागरूकता और जाँच शिविर, रक्तदान शिविर, अंगदान प्रतिज्ञा, निःशुल्क दवा वितरण, मानसिक स्वास्थ्य परामर्श, व्यसन मुक्ति शिविर, किशोरियों और महिलाओं के लिए एनीमिया जाँच और परामर्श, क्षय रोग जाँच, सिकलसेल रोग जाँच सभी नागरिक केंद्रों पर आयोजित किए जाएँगे।

आज और कल येलो अलर्ट

ठाणे को बुधवार और गुरुवार तक येलो अलर्ट पर रखा गया है. पालघर में मंगलवार और बुधवार के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है. इसी तरह रायगढ़ और रत्नागिरी में भी भारी बारिश की चेतावनी दी गई है. बादलों की गरज, बिजली की चमक और 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने का अनुमान है.

मनपा आयुक्त की सख्ती से अधिकारी हरकत में

भिवंडी में अवैध अतिक्रमण सहित बैनर, पोस्टर और फुटपाथ कराए जा रहे खाली

भिवंडी. भिवंडी मनपा प्रशासक,आयुक्त अनमोल सागर द्वारा जनहित कार्यों के निदान हेतु अधिकारियों को दी गई सख्ती का असर दिखाई पड़ने लगा है.शहर में सड़कों और फुटपाथों पर हुए तमाम अतिक्रमण सहित सड़कों के किनारे जमा कचरा,मिट्टी को संबंधित विभाग द्वारा हटाया जाना शुरू है.संबंधित अधिकारी अपनी टीम के साथ शहर स्वच्छता की खातिर अवैध अतिक्रमण, बैनर, पोस्टर हटाए जाने में जुटे हैं.आयुक्त अनमोल सागर की सख्ती से अधिकारियों के शुरू एक्शन से शहरवासियों ने राहत की सांस ली है. गौरतलब हो कि,पावरलून नगरी भिवंडी की पहचान वर्षों से अवैध बिल्डिंग निर्माण,सड़क,फुटपाथ अतिक्रमण,बैनर,पोस्टर,होर्डिंग्स और गंदगी से की जाती रही है.शहर में चारों तरफ अवैध निर्माण, अतिक्रमण, बैनर,पोस्टर से शहर पूर्णतया विद्रूप दिखाई पड़ता है.सड़कों और फुटपाथ पर हुए अतिक्रमण की वजह से लोगों का वाहन तो छोड़िए पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है.

आयुक्त की सख्ती से अतिक्रमण हटाना शुरू

मनपा प्रशासक,आयुक्त अनमोल सागर ने नागरिकों की बारम्बार शिकायत को गंभीरता से लेते हुए मनपा प्रभाग अधिकारियों,बीट निरीक्षक एवं अतिक्रमण हटाओ पथक को सख्त ताकीद दी है कि, शहर स्वच्छता, ट्रैफिक नियोजन की खातिर आवश्यक उपाय योजना पर प्रतिदिन काम होना चाहिए.मनपा क्षेत्र 1 से 5 मनपा प्रभाग क्षेत्र अंतर्गत हुए तमाम सड़कों,फुटपाथ पर अवैध अतिक्रमण, पोस्टर, बैनर, होर्डिंग्स पर सख्त कार्यवाही होनी चाहिए.नागरिकों को होने वाली तकलीफ पर गंभीरता से ध्यान देवें अन्यथा सख्त एक्शन लिया जाएगा.

अतिरिक्त आयुक्त को सौंपी जिम्मेदारी

मनपा प्रशासक, आयुक्त अनमोल सागर ने अतिरिक्त आयुक्त विट्ठल डाके को अधिकारियों की मॉनिटरिंग सहित नित्य अंजाम देने वाले कार्यों की समीक्षा कर उचित कार्यवाही हेतु निर्देशित किया है.अतिरिक्त आयुक्त विट्ठल डाके क्रमवार मनपा प्रभाग के सभी कार्यालयों में बैठकर अधिकारियों द्वारा किए जा रहे कार्यों की मानीटरिंग कर अधिकारियों की जवाबदेही तय करेंगे और आवश्यक रिपोर्ट को प्रशासक,आयुक्त को सौंपेगे. जागरूक शहरवासियों का कहना है कि,मनपा प्रशासक अनमोल सागर के सख्त आदेश के बाद भिवंडी शहर स्वच्छ, सुंदर,अतिक्रमण मुक्त होने के आसार दिखाई पड़ने लगा है.

खुरपका-मुँहपका रोग की रोकथाम हेतु टीकाकरण अभियान शुरू

ठाणे. ठाणे जिले के पशुपालकों, गोपालकों और किसानों के लिए एक महत्वपूर्ण अभियान चलाया जा रहा है। 20वीं पशुगणना के अनुसार, जिले में कुल 1,72,043 पशुओं का पंजीकरण किया गया है और इन पशुओं के स्वास्थ्य की रक्षा तथा उन्हें संक्रामक रोगों से बचाने के लिए खुरपका-मुँहपका रोग (एफएमडी) टीकाकरण अभियान शुरू किया गया है।

यह टीकाकरण अभियान जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रोहन घुगे, अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी अजिंक्य पवार, क्षेत्रीय संयुक्त आयुक्त पशुपालन मुंबई डॉ. प्रशांत कांबले के विशेष मार्गदर्शन में शुरू किया गया है।जिले के सभी पशु चिकित्सालयों में खुरपका-मुँहपका रोग के टीके का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध करा दिया गया है। इसलिए, पशुपालक अपने पशुओं का टीकाकरण कराने के लिए नज़दीकी पशु चिकित्सा केंद्र से संपर्क करके यह सुविधा प्राप्त कर सकेंगे। इस अभियान का उद्देश्य पशुओं को रोगमुक्त रखना, उनकी उत्पादकता बढ़ाना और किसानों को होने वाले आर्थिक नुकसान से बचाना है।इस संबंध में, जिला पशुपालन उपायुक्त डॉ. वल्लभ जोशी ने कहा यह टीका सभी स्वस्थ बछड़ों, बैलों, बछियों, गायों और भैंसों के साथ-साथ 3 महीने से अधिक उम्र के गर्भवती पशुओं को भी दिया जा सकता है। पशुपालकों को बिना किसी देरी के अपने पशुओं का टीकाकरण करवाना चाहिए। रोग निवारण उपायों को लागू करना न केवल सरकार की बल्कि सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।डॉ. जोशी ने आगे कहा कि किसानों के सहयोग से यह अभियान सफल होगा और ठाणे जिले का पशुधन अधिक स्वस्थ और सक्षम बनेगा। उन्होंने यह भी विश्वास व्यक्त किया कि संयुक्त प्रयासों से ठाणे जिला रोगमुक्त और स्वस्थ पशुधन वाला एक आदर्श जिला बनेगा।

बठिंडा कोर्ट में पेश होंगी कंगना रनोट

■ **FIR पर सुप्रीम कोर्ट से राहत नहीं**

■ **किसान आंदोलन में बुजुर्ग महिला पर की थी विवादित टिप्पणी**

हिमाचल के मंडी से भाजपा सांसद और अभिनेत्री कंगना रनोट को किसान आंदोलन के दौरान किए गए विवादित ट्वीट मामले में एक बार फिर समन जारी हुआ है। बठिंडा की सैशन कोर्ट ने 29 सितंबर को अगली पेशी तय की है, जिसमें कंगना की हाजिरी लाजमी होगी। इससे 4 दिन पहले सुप्रीम कोर्ट ने कंगना को इस मामले में राहत देने से इनकार कर दिया था।

यह केस 2021 का है, जब कंगना ने किसान आंदोलन के दौरान ट्वीट कर 87 वर्षीय किसान महिला महिंदर कौर को 100 रुपए लेकर धरने में शामिल होने वाली महिला बता दिया था।

इस पर महिंदर कौर ने मानहानि का केस दर्ज करवाया था। कंगना का कहना है कि उन्होंने सिर्फ एक वकील की पोस्ट को रीपोस्ट किया था।

उधर, महिंदर कौर ने कहा कि अगर कंगना उनसे माफी मांग लेती है तो वह उन्हें माफ भी कर देंगी, क्योंकि उनकी उससे कोई दुश्मनी नहीं है।

लेकिन उन्होंने साफ किया कि कंगना अभी भी अपनी बात को सही ठहरा रही है, इसलिए उन्हें कोर्ट से ही इंसाफ की उम्मीद है। महिंदर कौर ने कहा कि वे धरने में लालच से नहीं बल्कि अपनी जमीनों की खातिर शामिल हुए थे।

सुप्रीम कोर्ट से राहत न मिलने के बाद कंगना रनोट की मुश्किलें और बढ़ गई हैं। कोर्ट ने साफ कहा कि किसान आंदोलन के दौरान किए गए उनके ट्वीट को सिर्फ रिट्वीट नहीं माना जा सकता क्योंकि उसमें उन्होंने खुद कंटेंट जोड़ा है।

आम सूचना

मैं श्रीमती रानी कन्यालाल सिधाणी सभी को सूचित कर रही हूं कि बैरक नं. 259/बी, 801 चौ.फुट, उल्हासनगर- 1. (टैक्स नं. 18बीआय16021800) उक्त प्रॉपर्टी श्री दिलीप कन्यालाल सिधाणी व श्रीमती हेमा भानू रावाणी अल्यास हेमा कन्यालाल सिधाणी के नाम पर है। उन्होंने रिलीज एग्रीमेंट दि. 15.9.2025 सी.नं. 386/2025 द्वारा मुझे दी है।जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती रानी कन्यालाल सिधाणी

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099